52nd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

Januaryr 2016 No. 01 Vol XXXXXI

सृष्टि संवत् : 1,96,08,53,118 शकसंवत् 1937

पौष-माघ 2072 दयानन्दाब्द 192 कलि संवत् 5117

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 53000

National President

SITARAM PAREEK

MOB.: 0-9322265975 (MUMBAI)

National Working President

SURINDER KUMAR WADHWA

MOB. :9811028486 (DELHI)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

SACHIDANAND PANDA

MOB. : 09437506798 (BHUBANESWAR)

National Organising Secretary & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB : 09415334709 (FARRUKHABAD)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

कृपया ध्यान दें

शाखाओं के समाचार केवल niti@bvpindia.com से ही स्वीकार किये जायेंगे। कुछ शाखाएँ एक ही समाचार को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में ही कई ई-मेल द्वारा भेजती है। कृपया एक ही भाषा में एक ही ई-मेल से समाचार भेंजे। इस मास से केवल नीति की उपरोक्त ई-मेल पर ही समाचार स्वीकार होंगे। **सम्पादक**

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by S.K.Wadhwa for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : S.K.Wadhwa Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''वृक्ष पर बैठा पंक्षी शाखा के टूटने पर नहीं डरता है। क्योंकि उसे वृक्ष की शाखा पर नहीं अपने पंखों पर विश्वास होता है।''

''सदा स्वयं पर विश्वास रखिये।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय 4
2. राष्ट्रीय महिला कार्यकर्त्ता कार्यशाला 5
3. संगठन के झरोखे से 6
4. स्वास्थ्य 7
5. भारत को जानो 11
6. राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 17
7. अन्य गतिविधियाँ 22

विशेष :

1. बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पृष्ठ संख्या-10, पवन अग्रवाल (मदनगंज-किशनगढ़)
2. राष्ट्रभाषा हिन्दी, पृष्ठ संख्या-16 महेश चन्द्र शर्मा (दिल्ली)
3. धारणीय विकास, पर्यावरण एवं मानवीय मूल्य, पृष्ठ संख्या-21 डॉ. कविता शाह (वाराणसी)
4. मकर संक्रान्ति, पृष्ठ संख्या-34 डॉ. बसन्ती हर्ष (बीकानेर)

जनवरी मास के पर्व एवं राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम

12 : स्वामी विवेकानन्द जयन्ती/राष्ट्रीय एकता दिवस
14 : मकर संक्रान्ति, लोहड़ी,
15 : पोंगल
16 : गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
23 : नेताजी सुभाष चन्द्रबोस जयन्ती
26 : गणतंत्र दिवस
30 : महात्मा गाँधी पुण्य तिथि शहीदी दिवस

अखिल भारतीय राष्ट्रीय भारत को जानो प्रतियोगिता
02-03 जनवरी, 2016 (शनिवार-रविवार)
आगरा (उ०प्र०)
NATIONAL WORKSHOP OF MAHILA KARYA KARTAS (ZONE 15-17) 23-24 JANUARY, 2016 AT CHENNAI (TN)

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : niti@bvpindia.com, bvp@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

राष्ट्रीय परिदृश्य में परिवर्तन कितनी तेजी से होता है इसका अनुमान लगाना हो तो गत मास के पत्रों की सुर्खियों का अध्ययन कर लें। विश्व के अनेक देशों में भारत का गौरव अपने शिखर पर पहुँच रहा है। यूरोपीय देशों सहित दक्षिण पश्चिम एशियाई देशों और अमेरिका के अप्रवासी भारतीयों ने शायद पहली बार भारतीय नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त किया। विश्वास और प्रमाणिकता का जो नजारा मोदी जी ने अनेक देशों के उद्‌बोधन में प्रकट किया वह वैश्विक निवेश के लिये हमारी आधारशिला बनी है। अफ्रीकी देशों के प्रति समन्वय और आत्मीयता का हाथ बढ़ाकर प्रधान मंत्री ने छोटे राष्ट्रों को भी भारत के साथ जोड़ने में सफलता प्राप्त की। मन्तव्य यही है कि भारत की आवाज को विश्व के देश तरजीह दें।

तस्वीर का दूसरा पक्ष देखिये- यू.पी., महाराष्ट्र और कर्नाटक की कुछ नृशंस घटनाओं पर छद्‌म धर्म निरपेक्षवादी असहिष्णुता को परिभाषित करने लगे। ऐसा लगा कि देश असहिष्णु हो गया हैं। पुरस्कार लौटाने का सिलसिला शुरू हुआ। राष्ट्रपति के दरवाजे पर दस्तक दी गई। फिल्म जगत की हस्तियों ने समयवद्ध तरीके से प्रतिक्रियाएं दी। लड़ाई बुद्धिजीवियों की थी इसलिए साहित्यकार, कलाकार, विचारक राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए मुखर हो उठे। यह समय इसलिए चुना गया कि बिहार राज्य के चुनाव को प्रभावित किया जा सके। बिहार प्रज्ञा की दृष्टि से मेधा का फलता फूलता क्षेत्र माना जाता है। लेकिन आम जनता आज भी प्रचलित रूढ़ियों से जकड़ी है और अपने स्थानीय संबंधों, जाति समीकरणों को तरजीह देती है। परिस्थिति ऐसी बन गई बिहार में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। यह संयोग ही है कि जिन विरोधाभासों, प्रतिक्रियाओं और क्रियान्वयन शैली पर आम जन स्पष्ट प्रतिक्रिया दे रहे थे, सत्ता पक्ष के केन्द्रीय नेतृत्व को उसका आभास तक नहीं हुआ। ऐसे में प्रशासन और संगठन का समन्वय एक विचारणीय विषय है।

यह समय देश की नियति को बदलने का समय है। यह समय राष्ट्रीय शक्तियों और धर्म परिपेक्ष ताकतों के संघर्ष का संक्रमण काल है। विरोधियों को अपने अस्तित्व का खतरा है लेकिन राष्ट्रवादी शक्तियों के लिए यह एक अवसर है देश का भविष्य निर्माण करने का। इन छोटी घटनाओं के दूरगामी परिणाम क्या होंगे यह समय के गर्भ में है। लेकिन अनुकूल परिणाम प्राप्त करने के लिये एक अनिवार्य शर्त है-सुनियोजित प्रयास, आक्रामक प्रयास। हम एक विशाल शक्तिशाली विचार परिवार के अंग है। शान्त बैठकर परिस्थितियों का आकलन करने का समय नहीं है। समय है कुछ कर गुजरने का, देश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने का, विरोधी ताकतों के छद्‌म रूप को उजागर करने का। सोशल मीडिया प्रिंट मीडिया, चौपालों पर वार्ताओं और वैचारिकी के माध्यम से राष्ट्रानुकूल वातावरण तैयार करना आज की आवश्यकता है।

समग्र ग्राम विकास के चेयरमैन डॉ. शिव जिन्दल के आगमन पर ग्राम विकास के लगभग 30 कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण विकास की प्रगति पर चर्चा की। विकास में प्रस्तुत समस्याओं और प्राथमिकताओं पर डॉ. शिव जिन्दल ने विस्तार से चर्चा की। भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने सहमति प्रदान की। बैठक में 22 ग्रामों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 5 ग्रामों का कार्य पूर्ण तथा 14 में कार्य प्रगति पर है। डॉ. शिव जिन्दल ने ग्राम स्वच्छता के साथ गोबर गैस तथा जैविक खेती के विकास पर बल दिया। डॉ. भंवरलाल हीरावत, राष्ट्रीय संयोजक रवि हेगड़े, सत्यनान्द शर्मा ने कालीवास, कटगल, रामपुर गढ़वाल गाँवों के विकास को पावर प्वाइंट से प्रस्तुत किया। अभी तक 14 गाँवों के लिए 227 लाख रुपया व्यय हो चुका है। 5 नये ग्रामों की प्रोजेक्ट रिपोर्ट स्वीकार की गई। संचालन श्री अशोक जाधव, चेयरमैन ग्राम विकास ने किया।

भारत विकास संजय आनन्द विकलांग पुर्नवास एवं अनुसंधान केन्द्र के चेयरमैन श्री सुनील आनन्द (न्यूयार्क) ने पटना स्थित केन्द्र को उच्चीकृत करने की महत्वकांक्षी योजना तैयार की है। भारत सरकार के कटक स्थित विकलांग अनुसंधान केन्द्र के विशेषज्ञ तथा जर्मनी के विशेषज्ञों के सहयोग से पटना केन्द्र को आधुनिक सुविधा सम्पन्न बनाया जाएगा। अनुमानित व्यय रुपये 85 लाख है। पटना में प्रबुद्धजनों की सभा में उन्होंने सभी सम्भव सहायता का आश्वासन दिया। केन्द्र के स्थापना के 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर निर्धन विकलांगों को नई तकनीक से सुविधा देने का प्रयास किया जायेगा। मानसिक विकलांग बच्चों के विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु करने पर सहमति हुई। श्री सुनील आनन्द ने इस योजना के क्रियान्वयन पर डॉ. एल. एम.राय, पूर्व कुलपति, प्रो. विश्वनाथ अग्रवाल, संजय ड्रोलिया, अमर कसेरा तथा बब्लू जी गहन चर्चा की। डॉ. एस.एस.झा, डॉ. आशीष एवं देश बन्धु गुप्ता ने विचार रखे। केन्द्र व्यवस्थापक बिमल जैन की अहर्निश सेवा को सराहा गया।

राष्ट्रीय महिला कार्यकर्त्ता कार्यशाला

मुरादाबाद, रुहेलखण्ड : दिनांक 29 नवम्बर, 2015 को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के सभागार में परिषद् के क्षेत्र-1 से 14 तक की महिला कार्यशाला सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक, महामंत्री श्री अजय दत्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजीव बंसल के अतिरिक्त क्षेत्र-4 के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कुल 225 महिलाओं की सहभागिता रही। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महिलाओं की सहभागिता का आह्वान किया और मैं के स्थान पर हम की भावना से काम करने का आग्रह किया। प्राचीन काल में समाज की उत्प्रेरक इकाई के रूप में महिलाओं की मान्यता रही है। संस्कार प्रकल्पों में महिलाओं की अधिक सक्रियता अपेक्षित है।

दूसरे सत्र में अविनाश शर्मा ने दम्पति सदस्यता को रेखांकित करते हुए महिलाओं को परिवार के साथ परिषद् कार्य में अपनी प्राथमिकताएँ तय करने की अपील की। मातृत्व की छवी के साथ आत्म विश्वास और कर्मठता के साथ सेवा कार्य में जुड़ने का सुझाव दिया। यह महिलाओं की शताब्दी है। वरिष्ठ लोगों के उत्साहवर्धन से हमारा कार्य सरल हो गया है। डॉ. सन्तोष गुप्ता (जम्मू) ने कहा कि महिला समाज और परिवार की एक कड़ी है। हमें अलग प्रकोष्ठ बनाकर नहीं वरन् सामन्जस्य से काम करना है। टी.एम.यू. की उप-रजिस्ट्रार डॉ. वैशाली ने कहा कि मलाला और कल्पना चावला की प्रेरणा हमारे लिए उत्साहवर्धक है। हमें स्पर्धा के बजाय सहयोग से काम करना चाहिए। हमें आरक्षण नहीं समानता का व्यवहार अपेक्षित है। मेयर श्रीमती वीना अग्रवाल परिषद् परिवार में अपने सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीमती सावित्री वार्ष्णेय ने कहा कि काम में आस्था और विश्वास के बल पर महिलाओं का योगदान बढ़ रहा है, यह परिषद् के लिए महत्वपूर्ण है।

तृतीय सत्र में श्रीमती अर्चना सिंघल ने पौष्टिक आहार, स्वच्छता, बाल विवाह, शिक्षा और स्वास्थ्य के सहयोग में सरकारी योजनाओं का वर्णन किया। रोजगार उपलब्धता, महिला सशक्तिकरण तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जागरूकता में कार्य करने की अपील की। प्रबन्ध न की व्यवस्था डॉ. अनुपमा शर्मा ने परिषद् में महिलाओं की सक्रियता पर हर्ष प्रकट किया। महिलाओं की आत्म निर्भरता आवश्यक है। कार्य में स्वयं निर्णय के साथ वित्त प्रबन्धन में भी नियोजन करने की अपेक्षा है। डॉ. चम्पा श्रीवास्तव ने विज्ञान, खेल और राजनीति में महिलाओं के योगदान को प्रशंसनीय बताया। डॉ. सीमा जोशी (चण्डीगढ़) ने कहा कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में महिलाओं ने अपना योगदान सिद्ध कर दिया है। डॉ. मीनू मेहरोत्रा ने कामकाजी महिलाओं को समय प्रबन्धन पर बल दिया। समाज में कामकाजी महिलाओं के प्रति असमानता एवं दुराग्रह को समाप्त करने का सुझाव दिया। श्रीमती लता शर्मा (हस्तिनापुर) ने सामूहिक सरल विवाह में महिलाओं की भागीदारी का उल्लेख किया। डॉ. दिव्या लहरी (अलीगढ़) ने ब्रज प्रान्त में रोजगारपरक प्रशिक्षण तथा नारी अभिव्यक्ति के कार्यक्रमों का उल्लेख किया। संचालन श्रीमती संतोष गोधा ने किया।

समापन सत्र में दिल्ली की क्षेत्रीय चेयरपर्सन श्रीमती शशि आज़ाद ने अंधी लड़कियों के विवाह कराने की सूचना दी। प्रशिक्षण के बाद बैंक, एन.टी.पी.सी. तथा सरकारी कार्यालयों में विकलांग कोटे में नौकरी में सहायता की। इसके अतिरिक्त जीवन विज्ञान कार्यशाला तथा बाल संस्कार शिविरों में महिला सहभागिता कार्य सम्पन्न किये। हरियाणा की संतोष जैन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा कन्या भ्रूण हत्या जागरूकता के अलावां लड़की के जन्म पर आनन्दोत्सव मनाने की जानकारी दी। दिल्ली की संतोष भारद्वाज, उडीशा से गीता पटनायक ने नई पीढ़ी में महिलाओं की स्वतंत्रता अपेक्षित है लेकिन स्वच्छन्दता से बचना चाहिए। पूर्णा पारीक ने सिलाई केन्द्र तथा प्रशिक्षण से आत्म निर्भरता पर बल दिया। इन्दू वार्ष्णेय (गाजियाबाद) ने महिला जेल कैदियों में जागरूकता और संस्कार कार्यक्रम की सूचना दी। श्रीमती शालिनी (प्रयाग) ने कम्प्यूटर प्रशिक्षण तथा कैंसर जागरूकता कार्यक्रम की सूचना दी। डॉ. (श्रीमती) कविता शाह ने मलिन बस्ती में संस्कार की शिक्षा तथा चश्मा बैंक के द्वारा सहयोग के बारे में बताया। डॉ. बबिता गुप्ता (मुरादाबाद) ने कहा कि शिक्षा के कारण प्रगति हुई है लेकिन अहंकार और गलत दिशा में जाने की संभावना भी बढ़ती है अत: पतन की पारकाष्ठा को रोकना आवश्यक है। निशा, संगीता, चित्राशी, प्रेरणा अग्रवाल, प्रेरणा उपाध्याय, छाया वार्ष्णेय, शरद गुप्ता, रेखा अरोड़ा, अमृता उपाध्याय ने सरल विवाह (60) सिलाई केन्द्र विहार में नवजात बच्चियों को गोद लेने, विकलांग बच्चियों के पुनर्वास, कन्या महाविद्यालय, प्याऊ, चिकित्सालय, वनवासी छात्रावास में सहायता आदि विषयों की जानकारी दी।

राष्ट्रीय महामंत्री अजय दत्ता ने कहा कि नये युग में प्रगति के प्रतिभान तेजी से बदल रहे हैं। हमें नवीन प्रयोग करने की आवश्यकता है। महिलाओं की सक्रियता से परिषद् को नेतृत्व प्राप्त होगा। समन्वय एवं सहयोग के द्वारा हमारी गति बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर उन्होंने एक कहानी का जिक्र किया जो इसी अंक में प्रकाशित है। प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. एस.पी.सिंह ने विश्वविद्यालय प्रबन्धन तथा मुरादाबाद शाखा की महिला कार्यकर्त्ताओं को सम्मानित करते हुए सभी प्रतिनिधियों का धन्यवाद किया। हम श्री सुरेश चन्द्र जैन जी (कुलाधिपति) का विशेष धन्यवाद करते हैं जिनके अमूल्य सहयोग से यह कार्यशाला सफल हुई। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजीव बंसल के मार्गदर्शन में एक प्रभावी कार्यशाला का समापन हुआ। श्रीमती अलका विश्नोई, शालीन शर्मा, सुनिता गुप्ता, शालिनी अग्रवाल, कल्पना अग्रवाल, राजुल अग्रवाल, प्रभा अग्रवाल, चेतना गुप्ता, पूनम बंसल, वन्दना बंसल, रश्मि अग्रवाल, रचना मित्ताल, श्री आलोक अग्रवाल, विनय अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, विवेक शर्मा, डॉ. नरेश कुमार, सुनील गुप्ता, अजय विश्नोई, हरि गोपाल शर्मा एवं डॉ. नीतिन दालभ का विशेष सहयोग रहा।

यह वर्ष क्षेत्रीय अधिवेशनों के आयोजन का वर्ष है। सभी प्रान्तों में सामान्यत: संगठन और प्रकल्पों के पदाधिकारियों की एक बड़ी टीम है। क्षेत्रीय वर्गीकरण की दृष्टि से सम रूप विभाजन करते हुए सभी दायित्वधारियों को एक निश्चित क्षेत्र के आयाम में काम करने की अपेक्षा की जाती है। राष्ट्र व्यापी संगठन और 52 वर्ष का लम्बा कार्यकाल किसी संस्था के लिए एक बड़ी उपलब्धि हैं हमको यह जानकारी है कि परिषद् राष्ट्रभाव से प्रेरित भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों के आधार पर कार्यरत संगठन है। इसमें वैचारिक संभ्रम का किंचित स्थान नहीं है। प्रबुद्ध वर्ग में काम करते समय लोक प्रसिद्धि अथवा पद का अहंकार के कारण कभी-कभी सामूहिक नेतृत्व का मूलमंत्र उपेक्षित हो जाता है। देश में अनेक संस्थाएँ एक व्यक्ति की सोच, नेतृत्व और विचार के आधार पर कार्य करती है। उनमें ऐसे अनेक संस्थाओं को जल्दी ही यश प्राप्त हो जाता है और उनका प्रभाव भी दिखाई पड़ता है। परन्तु ये व्यक्ति आधारित संगठन बहुत शीघ्र स्खलित होकर टूटने के कगार पर पहुँच जाते हैं। इसके विपरीत सामूहिक नेतृत्व की अवधारणा एक विशिष्ट वैचारिक परिवेश और समर्पित कार्यकर्त्ताओं की टोली के द्वारा कार्य की गति बहुत तेज न भी हो तो भी सतत् क्रियाशील होने के कारण लक्ष्य को पूरा करने में सफल होती है। इस सफलता के लिए पूर्व शर्त भी सुनिश्चित है जो दायित्व मिला है उसको विशेषता के साथ पूरा करना। अपने दायित्व के अतिरिक्त किसी नीतिगत अथवा परिस्थितिगत विषय की जानकारी संबंधित लोगों तक पहँचाना। प्रबुद्ध एवं साधन सम्पन्न अनुभवशील होने के कारण कभी-कभी अन्य क्षेत्रों के बारे में भी अधिकाधिक टिप्पणी करने से हमें बचना चाहिए। अपने योजना से सामान्यत: संगठन, प्रकल्प, वित्त संबंधी विषयों का दैनिक क्रिया कलापों में योगदान रहता है। सभी स्तरों पर निर्धारित कार्य की सीमा के अन्तर्गत ही हमें कार्य करने की आवश्यकता है। मैं सक्षम हूँ और सभी कार्यों को कुशलता से कर सकता हूँ। यह मानते हुए भी केवल निर्धारित क्षेत्र में ही अपने चिन्तन को सीमित रखना चाहिए। अन्यथा सीमा अतिक्रमण से अन्य कार्यकर्ताओं के कार्य में हस्तक्षेप और अपनी प्रसिद्धि लालसा ही प्रकट होगी। यह संगठन की दृष्टि से उचित नहीं है।

फार्म न० 4

नियम संख्या 8

नीति (मासिक) के स्वामित्व और अन्य विवरण जो केन्द्रीय धारा 1956 के अन्तर्गत समाचार पत्रों के पंजीयन के लिए प्रकाशित करना आवश्यक है।

1.	प्रकाशन स्थान	पीतमपुरा, दिल्ली
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	सुरेन्द्र कुमार वधवा
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	मुद्रण स्थल	भावना प्रिंटर्स, ए-26, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया फ़ेज-II दिल्ली-110028
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
4.	प्रकाशक	सुरेन्द्र कुमार वधवा
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
5.	प्र०स० का नाम (अवैतनिक)	डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता
	राष्ट्रीयता	भारतीय
	पता	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
6.	पत्र के स्वामी का नाम	भारत विकास भवन, बीडी ब्लॉक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-110034

मैं, सुरेन्द्र कुमार वधवा, एतद् भारत विकास परिषद् द्वारा यह घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिया गया उक्त विवरण सत्य है।

दिनांक : 22 जनवरी, 2016

सुरेन्द्र कुमार वधवा
- प्रकाशक ह०

शिवाजी कोटा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : डेंगू बीमारी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। डेंगू रोधी काढ़े का वितरण किया गया। प्रतिदिन 1000 लोगों ने सेवन किया। दवा वितरण भी किया गया। (सचिव सुधारानी शर्मा।)

झालावाड़ : शाखा ने डेंगू की दवा नि:शुल्क वितरण किया। 5000 लोगों को गोली तथा 1200 लोगों को दवा पिलाई गई। व्यवस्था में महावीर माहेश्वरी, नीरज जैन, अम्बिका शर्मा, डॉ. मथेडिया ने सहयोग किया।

छीपाबडौत : शाखा द्वारा 66 नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। 10599 मरीजों के ऑपरेशन सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय आनन्दपुर द्वारा किये गये। समाज सेवी रतन लाल चौधरी, राजाराम पंजाबी का विशेष सहयोग रहा।

फुलिया कलां-भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य : शाखा में दस दिवसीय अर्श भगन्दर शिविर का आयोजन हुआ। 500 रोगियों का पंजीकरण हुआ। 74 मरीजों का क्षार सूत्र विधि से चिकित्सा डॉ. रमाकान्त चौधरी, डॉ. अंजूबाला की 25 सदस्यीय टीम ने उपचार किया। आयुर्वेद विभाग की निदेशक डॉ. विनीता श्रीवास्तव ने शिविर का निरीक्षण किया और इसे उपयोगी बताया। शाहपुरा के प्रधान श्री गोपाल गुर्जर आयुर्वेद अधिकारी लक्ष्मी कान्त पारीक तथा नागरिकों ने मरीजों की सेवा की।

शाहपुरा-भीलवाड़ा : न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. ममता भूषण सिंह तथा डॉ. अलका शरण ने नि:शुल्क मानसिक रोग जांच शिविर में परामर्श दिया। निकटवर्ती गाँवों के 51 मरीजों ने परामर्श लिया। शिविर में महुआ मेहरू कलां सुवाणा उम्मेदपुरा के रोगी आये।

संयुक्त राष्ट्र का गो-समर्थन

गत सप्ताह संयुक्त राष्ट्र संघ के उल्लेख वाली दो घटनाएँ देश भर के ध्यान में रहीं। इन घटनाओं का दीर्घकालीन प्रभाव विश्व में देखने को मिलता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ के नाम से चर्चित इन दोनों समाचारों में पहले सकारात्मक समाचार की चर्चा करते हैं। यूनाइटेड नेशन्स के 'एनवायरमेंट प्रोग्राम' ने गो-मांस को 'पर्यावरणीय रूप से हानिकारक मांस' बताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि-औसतन एक हैंमबर्गर (गो-मांस से बना) के कारण पर्यावरण में तीन किलो कार्बन का उत्सर्जन होता है। इतने कार्बन का उत्सर्जन सामान्य आहार पकाने से उत्सर्जित होने वाले कार्बन से लगभग पचास गुना अधिक होता है। संयुक्त राष्ट्र संघ की विशेषज्ञ समिति ने यह भी लिखा है -आज पृथ्वी को बचाना वाकई स्थायी उपभोग सुनिश्चित करने से जुड़ा है और मांस का उत्पादन दुर्भायवश बेहद ज्यादा ऊर्जा खपत वाला काम है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मांसाहारी लोग और विशेषत: गो-मांस का भक्षण करने वाले लोग वैश्विक पर्यावरण के सर्वाधिक बड़े दुश्मन हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक तौर पर गो-मांस उत्पादन जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों में से एक है। समिति ने मांस उत्पादन उद्योग में गो-मांस को 'शैतान' की संज्ञा दी हैं विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि गो-मांस छोड़ने से पृथ्वी पर वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट कम होगा। कार्बन उत्सर्जन की यह कमी कारों का उपयोग कम करने के परिणाम से आने वाली कार्बन उत्सर्जन की कमी से, कई गुणा अधिक होगी। ब्राजील व अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों के माँस उद्योगों के कारण वहाँ के पर्यावरण को जो भारी क्षति हुई, उससे वहाँ का समाज त्राहिमाम कर बैठा है। इन देशों में मांस उद्योग से मिलने वाले भारी मुनाफे की दृष्टि से जंगलों का विनाश कर बड़े-बड़े प्राणी फार्म स्थापित किये गये व इनके सहारे से बड़ी मात्रा में मांस उत्पादन कर धनोर्जन किया जा रहा था।

भारत में गो-वंश विरोधियों को यह तथ्य भी ध्यान में रखना चाहिए कि सम्पूर्ण विश्व में गो-वंश आधारित, गो-उत्पाद आधारित प्रयोगों को प्रमुखता से बढ़ाया जा रहा है। अमेरिकी वैज्ञानिक जेम्स मार्टिन ने गाय के गोबर, खमीर व समुद्री पानी से ऐसी उत्प्रेरक खाद विकसित की है, जिससे वहाँ की बंजर भूमि को हरा-भरा कर कृषि उत्पादन योग्य बनाया जा रहा है। इटली के वैज्ञानिक जी ई बीगेड ने गोबर से तपेदिक व मलेरिया के रोगाणुओं को समाप्त करने वाली औषधि विकसित कर ली है।

-प्रवीण गुगनानी

सांचौर, राजस्थान पश्चिम : प्राथमिक अस्पताल में 894 मरीजों का परीक्षण किया गया तथा नि:शुल्क दवाई उपलब्ध कराई गई। फिजियोथेरेपी सेन्टर में 265 लोगों को सेवा दी गई। (अध्यक्ष मदन सिंह।)

बाड़मेर : जन सेवा समिति के अन्तर्गत 6 दिवसीय योग शिविर का आयोजन हुआ। पद्मभूषण आचार्य डॉ. वी.के.आयगर के प्रशिक्षक करूणाकर ने प्रशिक्षण दिया। (सचिव चन्द्र प्रकाश गुप्ता।)

जालंधर गौरव, पंजाब उत्तर : डॉ. राजिन्दर शर्मा द्वारा मधुमेह जांच की गई। 120 मरीजों का निरीक्षण हुआ। नि:शुल्क दवाईयाँ दी गई। अग्रिम पढ़ाई के लिए गरीब छात्रा को 8000/- की सहायता दी गई। पहला कदम स्कूल में फर्नीचर दिया गया। समूहगान में 5 स्कूलों ने भाग लिया। दयानन्द मॉडल स्कूल प्रथम रहा। (सचिव आर.सी.गोयल ।)

लुधियाना विकलांग ट्रस्ट : केन्द्र के द्वारा अबतक 44922 विकलांगों को कृत्रिम अंग प्रदान किये जा चुके हैं। इसके लिए आधुनिक मशीने लगाई गई है। प्रशिक्षण केन्द्र में 164 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। अक्टूबर 2015 में 587 विकलांगों को अंग प्रदान किये गये। 12 पोलियों सरजरी ऑपरेशन किये गये। यहाँ फिजियोथेरेपी, होम्योपैथी, आयुर्वेद लैब टेस्ट भी किये जाते हैं।

अबोहर, पंजाब दक्षिण : शाखा द्वारा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ। इसमें 617 नेत्र रोगी, 172 इएनटी, 112 त्वचा रोगियों की जांच की गई। 77 का नेत्र ऑपरेशन किया गया। अबोहर सिविल अस्पताल के डॉ. युधिष्ठिर चौधरी तथा राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्रीनिवास बिहानी उपस्थित रहे (सचिव कमल खुराना।)

तुझे क्या? मुझे क्या?

आज का मनुष्य इतना आत्म केन्द्रित हो गया है कि अपनी जिम्मेवारी तक भूल जाता है। परन्तु क्या वह अकेला रह सकता हैं कदापि नहीं। वह जन्म से माता पिता पर आश्रित है। पढ़ाई के लिए स्कूल, काम धन्धों के लिए करखाने, परिवार के लिए पत्नी, रहने के लिए घर की आवश्यकता है। अत: जन्म से ही वह दूसरों पर आश्रित है।

मुझे क्या? आत्म केन्द्रित व्यक्ति अकेला कैसे जी सकेगा। हमें किसी से क्या मतलब? भाड़ में जाए आप और आपका समाज। वह दूसरों से लाभ उठाना चाहता है परन्तु अपने कर्तव्य से भागता है। महाराज दशरथ के दरबार में गुरु विश्वामित्र पधारे और राक्षसों के वध के लिए राम लक्ष्मण को ले जाने का आग्रह किया। दशरथ ने जबाव में यह नहीं कहा कि इससे मुझे क्या? राक्षस मेरे महल पर तो आक्रमण नहीं करते। सीता हरण के समय राम का साथ देने वाले अंगद सुग्रीव हनुमान जामवन्त भी कह सकते थे मुझे क्या?।

तुझे क्या? एक बूढ़ा पड़ोसी बाप के लाडले बेटे की शिकायत लेकर गया। धूम्रपान, सड़क चलते छेड़ छाड़ आदि की शिकायत की। तुझे क्या? अपने पैसे से बीड़ी पीता है, जवानी की उम्र है क्या तुम उस उम्र में यह नहीं करते थे। पिता का उत्तर सही था। पड़ोसी को इससे कोई नुकसान नहीं थां नुकसान तो उनका अपना ही था। लड़का जब बिगड़ेगा, आदते बिगड़ेगी, शराब पियेगा, दुष्कर्म करेगा तो पुलिस, जेल सजा यह सब तो होगा ही।

यह बात समाज को देखनी होगी। मेरा धन है जैसे चाहूँगा खर्च करूँगा। शराब, जुआ, दुष्कर्म अनीति करूँगा तुझे क्या? दूसरी तरफ समाज यह कहे मुझे क्या? करने दो भाड़ में जाए। तो कथनी व करनी का अन्तर नहीं मिटेगा। इसका उत्तर भी हैं जब ऐसे दुष्कर्मी लोगों की संख्या बढ़ जाएगी तो क्या स्कूलों में चोरी करना, झूठ बोलना, अनीति करना, मांसाहार करना यही पढ़ाया जाएगा। तब क्या जो जैसा चाहे वैसा करें यही प्रचलन होगा। परन्तु अच्छे आचरण वाले समाज का निर्माण बहुसंख्यक लोगों की भलाई इससे श्रेष्ठ कार्य क्या हो सकता है। तुझे क्या? मुझे क्या? ऐसे आत्म केन्द्रित लोगों के घर जब कुकृत्यों की आग से जलने लगेगें तब यह आग कर्म के प्रयत्न से ही शान्त होगी।

अत: समाज के हित चिन्तन का विचार करें।

-मधुश्री काबरा

साहिबाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : योग शिविर में 25 सदस्यों ने भाग लिया। फूलों की रंगोली, करवा की सजावट प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। भारत को जानो में 12 स्कूली टीमों ने भाग लिया। वृक्षारोपण में उपयोगी वृक्ष लगाये गये। नारी सशक्तिकरण, शरद पूर्णिमा, सुन्दरकाण्ड पाठ, गुरु वन्दन आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा विशाल नेत्र शिविर का आयोजन शासकीय हस्पताल में किया गया। 200 मरीजों का परीक्षण किया गया तथा उपयुक्त 50 रोगियों को ऑपरेशन हेतु मक्सी अस्पताल भेजा जायेगा। संयोजक नाथू लाल सेठिया अध्यक्ष मनोज सैन पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार मंचासीन रहे।

मीरजापुर, काशी प्रदेश : विकलांग शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। 51 मरीजों के नाप के आधार पर कृत्रिम अंग लगाये गये। रामकृष्ण मिशन अस्पताल गरीब तथा अशक्त जनों के लिए बड़ी सहायता प्रदान करता है। अस्पताल में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा का अनावरण कर स्वामी जी के मूल्यों की स्थापना का प्रयास किया गया हैं सदस्यों ने विकलांगों के पैर नाप करने तथा उनके

सभी संचालन में भरसक मदद की। महावीर विकलांग सेवा समिति के सदस्यों तथा चिकित्सकों ने दिनभर विकलांगों की सेवा की। डॉ. सी.पी.गुप्ता ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी तथा वाराणसी से आये श्री ब्रह्मानन्द पेशवानी, आलोक कपूर तथा प्रमोद राम त्रिपाठी ने शिविर की प्रशंसा की।

Chandigarh West-II, Punjab East : A blood donation cum medical camp was organized in SC/OBC Colony of sector 38, Chandigarh. Six units of blood were donated by the residents of the colony. Further, a large number of persons (60 in all) used medical check-up facilities of different disciplines like dental, eyes and general check-up.

Babarpur, Delhi East : Branch organized a Mega Health Check-up Camp on 1st November, 2015 wherein not only the huge number of patients benefited but also had interaction with Members and established persons from the area including Assistant Commissioner of Police. Sh. Shah, Group President of Mahindra & Mahindra Company provided financial support towards provision of artificial limbs and appliances to physically handicap persons on the occasion of founders day 2nd October.

Few tips to be happy, peaceful, purposeful and to progress

1. Remain respectful to you elders, useful to you family, friends, environment and society as best a s possible, according to your knowledge, capability and aptitude. "You are as important as you are useful".
2. Lead a frugal life: You should try to reduce your personal needs, and you will be able to be away from so many unnecessary tensions, which come with spend-thrift nature.
3. Conduct and Character:; Try to keep these above board. This is the sure way to earn respect credibility, honour and peace of mind. To make high achievements in life, these are essential. In-fact morality is the backbone of true higher life, full of bliss.
4. Converse with a smile on your face and affection within. This will make you desirable and the whole atmosphere will be surcharged with joy. This also leads to improvement in quality of your relationships and mutual regard also gets a boost.
5. Be caring to all your dependents, elders and also to your family members, friends and society. This will give you inner mental peace, happiness, satisfaction, love and regard so essential for progress in life, congeniality and inner happiness. **-Dr.V.P.Gupta, Chandigarh**

Karimganj, Assam : Branch in association with N.P.C.B. organized a Free Cataract Detection cum Operation (IOL) camp at S.B. Vidyaniketan, Nilambazar on 17th November 2015. A total of 226 patients register their name out of which 21 were selected for operation at Lions' Eye Hospital, Silchar. A team of doctors and technician led by Dr. MistiSen attended the camp. The camp was sponsored by Nilambazar Merchant Association. Past operative eye camp was organized at SB, Vidyaniketan. Dr. Arijit Das Examined 21 Eye patients free medicines were distributed.

वर्ष 2016 का कैलेण्डर

पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 2016 का कैलेण्डर नई सज-धज के साथ बिक्री हेतु केन्द्रीय कार्यालय में उपलब्ध है

सहयोग राशि ₹ 25/

Please send your orders, along with your contribution, to the Central Office. Kindly make the Cheque/Demand Draft payable to 'Bharat Vikas Parishad Prakashan'. The amount can also be deposited in Bharat Vikas Parishad Prakashan account No. 90962010080664, RTGS or IFS code : SYNB0009096 of Syndicate Bank, Pitampura, Delhi-110034

-Ajay Dutta, National Secretary General

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

भारतीय संस्कृति में जहाँ कन्या को देवी समझा जा ता है, नवरात्रा में कन्या पूजन किया जाता है, आज उसी देश में बेटी बचाओ का अभियान चलाना पड़ता है। स्त्री-पुरुष का अनुपात इतना बिगड़ गया है कि आज कई पुरुष कुंवारे बैठे हैं, इनको विवाह के लिए कन्या नहीं मिल रही है। भारतीय संस्कृति में विसंगतियाँ उत्पन्न हो रही है, जहाँ पर ''या देवी सर्वभूतेषू शक्ति रूपेण संस्थिता' का उच्चारण किया जाता हैं वहीं पर बेटी बचाओ के लिए आन्दोलन चलाना पड़ता है।

मनुष्य कई तरह का दान करता है, जैसे धन दान, गऊ दान, जल दान, विद्या दान, नेत्र दान, रक्त दान लेकिन दुनिया में सबसे बड़ा दान जो होता है **वह कन्यादान** होता है। वह व्यक्ति सबसे बड़ा भाग्यशाली होता है जो कन्यादान करता है। लड़की घर में नम्र होना, झुकना, समर्पण करना सिखाती है। जिनके घर लड़की नहीं होती है वे अपने को अहंकारी समझते है, कि मुझे किसी के आगे नही झुकना है। अत: नम्र बनने के लिये घर में एक कन्या होना आवश्यक है। जिस घर में कन्या होती है वह घर सौभाग्यशाली होता है। कन्याएं अपना भाग्य स्वयं लेकर आती है। उन्हें पढ़ाओ और अपने पैरों पर खड़ा कर दो, आपकी जिन्दगी संवर जायेगी। जो व्यक्ति यह सोचता है कि लड़के से वंश चलता है तो धृतराष्ट्र के सौ पुत्र (कौरव पुत्र) थें उनका कौन-सा वंश चला। सभी युद्ध में मारे गये। राजा जनक के यहाँ सीता थी उन्हें आज भी पूरा जगत राजा जनक की पुत्री, दशरथ की पुत्र वधू एवं भगवान राम की पत्नी के रूप में याद करते हैं। आपको यदि अपनी वंशावली पूछी जाये तो आप 3 या 4 पीढ़ी तक ही नाम बता पायेंग उसके आगे आप भी अपनी वंशावली नहीं बता पायेंगे। अत: जब गर्भ में बच्चा आये तो उसे खत्म न करो। बूचड़खाने में कसाई जानवरों का कत्ल करता है। लेकिन आज घर-घर में बूचड़खाने हो रहे हैं। जहाँ असहाय कन्या भ्रूण जो इस दुनिया में भी नहीं आयी है उसका कत्ल किया जा रहा है और इस पाप के भागीदार तीन व्यक्ति हो रहे हैं, प्रथम पिता जो भ्रूण हत्या के लिए उकसाता है, द्वितीय माता जो इसके लिए तैयार होती है और तृतीय वह नपुंसक डॉक्टर हो यह कार्य करता है। डॉक्टर शपथ लेता है कि मैं व्यक्ति को जीवनदान देने का कार्य करूँगा जबकि वह जीवन लेने का कार्य कर रहा है। ऐसे व्यक्तियों को उम्र कैद की सजा देनी चाहिए। कन्या के बिना आप कैसे आगे बढ़ेंगे। एक नारी ही नारी की शत्रु हो रही है। बेटे के लिए बहू लानी है तो कन्या चाहिए लेकिन अपने घर में कन्या नहीं चाहिए। आज बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है, बेटा एक कुल का नाम रोशन करता है तो बेटी दो कुलो का नाम रोशन करती है। नारी की निन्दा न करो। हमें जो चाहिए उसके लिए हम नारी की ही पूजा करते हैं। जैसे - धन चाहिए तो लक्ष्मी की पूजा करते हैं, विद्या चाहिए तो सरस्वती की पूजा करते हैं, शक्ति चाहिए, दुष्टों का नाश करना हे तो माँ दुर्गा को याद करते हैं कभी भी विष्णु, ब्रह्मा, शंकर को याद नहीं करते हैं नारी ही मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति बन कर राज कर रही है। अत: बेटी को कभी कमजोर मत समझो। ना ही उसे अबला समझो। किसी कवि ने सही कहा है कि :

'नारी निन्दा न करे, नारी नर की खान,
नारी से ही उपजते, नर नारायण भगवान।

सरकार ने भ्रूण हत्या को अपराध करार दिया है, इसके बावजूद भी छिपते छिपाते यह काम हो रहा है। आज के इस सभ्य समाज में यह हमारे लिए शर्म (कलंक) की बात है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ अनपढ़ या गाँव का व्यक्ति ही यह कार्य कर रहा है। पढ़ा लिखा व्यक्ति भी यह कार्य कर रहा है। हम भ्रूण हत्या करके मानवता को क्या संदेश देना चाहते हैं। आज आप कन्या भ्रूण हत्या करों, कल आप ही बहू के लिए तरसोगे। ऐसा पास कोई नहीं करे। कन्या को इस धरती पर आने दो, उसकी किलकारियाँ गुंजने दो। यह आपका नाम रोशन करेगी। यह आप पर भार नहीं रहेगी। उसे पढ़ा लिखा कर पैरों पर खड़ा कर दो। नारी में इतनी शक्ति है कि वह चाह तो इतिहास बदल दे। किसी कवि ने सही ही कहा है कि:

'बिजली जब चमकती है आसमान बदल देती है, धरती जब दरकती है सीमान्त बदल देती है।
आँधी जब उड़ती है दिन रात बदल देती है, नारी जब गरजती है इतिहास बदल देती है।

-**पवन अग्रवाल**, मदनगंज-किशनगढ़ (राजस्थान)

पाठक पत्र

- नवम्बर मास की पत्रिका नीति के द्वारा गागर में सागर भर दिया गया है। अहंकार का शमन करें, न्यायमूर्ति कोकजे के भाषण के अंश, सौर ऊर्जा तथा पर्वों की जानकारी मिली। बधाई। -**माया द्विवेदी**, प्रयाग।
- जसवन्त नगर इटावा के संस्थापक अध्यक्ष श्री नारायण चौधरी ने 'नीति' के संशोधित रूप को सदस्यों के लिए उपयोगी बताया।

भारत को जानो

मेवाड़-उदयपुर, राजस्थान दक्षिण : शाखा द्वारा इस प्रतियोगिता राष्ट्रीय भारती स्कूल में सम्पन्न हुई जिसमें 8 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। महावीर विद्या स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को मेडल, प्रमाण पत्र दिये गये। (अध्यक्ष -हरिशंकर तिवारी)

प्रताप श्रीगंगानगर, राजस्थान उत्तर : भारत को जानो में शाखा स्तर की सबसे बड़ी प्रस्तुतियों में प्रताप शाखा ने अपना स्थान बनाया। 85 स्कूलों के 7116 छात्रों ने भाग लिया। द्वितीय चरण में कनिष्ठ 158 तथा वरिष्ठ 128 छात्र चयनित हुए। इनके प्रश्न मंच चार दिनों में सम्पन्न हुए। फाइनल की 9 टीमों में कनिष्ठ मोहित मल्होत्रा तथा रिशिका, वरिष्ठ वर्ग में अंजलि सुथार व सिद्धार्थ विजयी रहे। स्कूलों तथा अध्यापकों को भी सम्मानित किया गया।

हनुमानगढ़ : भारत को जानो हनुमानगढ़ में सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय प्रतियोगिता में सूरतगढ़ शाखा प्रथम तथा नागौर शाखा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

गतानुगतिको लोकः

संस्कृत साहित्य की एक महत्वपूर्ण सूक्ति का भावार्थ है कि सामान्य जन आगे चलने वाले का अंधानुकरण करने वाला होता है, वह किसी भी घटना के वास्तिविक अर्थ को समझने की चेष्टा नहीं करता। इसी कारण समाज में प्रबुद्धजनों को विशेष सम्मान प्राप्त होता है क्योंकि वे तत्वनिर्णय करने में समर्थ होते हैं। साहित्यकार इसी वर्ग में परिगणित होते हैं और उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने समय को दर्पण भी दिखायेंगे, दिशाबोध भी देंगे। साहित्य ने आदिकाल से एक जागरूक प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई है और इसी कारण उसे ऋषि के आसन पर बैठने का अधिकारी माना गया, हमारा आचार-शास्त्र उसके आश्रम के बाहर अस्त्रों का परित्याग कर प्रवेश का आदेश देता है। हमारी जातीय अस्मिता के प्रतीक महाकवि तुलसी ने अपनी कुटिया में बिछे कुश के आसन को छोड़कर तत्कालीन सबसे बड़ी राजकीय शक्ति के दरबार में नवरत्नों के आसन पर बैठने से विनर्मतापूर्वक इन्कार कर दिया था। किन्तु साहित्यकार के हर निर्णय के पीछे लोकमंगल की भावना होती है, किसी सामयिक स्वार्थ की पूर्ति अथवा किसी क्षुद्र राजनैतिक इंगिति का अनुवर्तन नहीं। इसी कारण उसका स्वस्तिवाचन भी महत्वपूर्ण होता है और शाप-वचन भी। पुरस्कार उसे प्राप्त कर गौरवान्वित होते हैं क्योंकि उसकी चर्चा के माध्यम से कृतज्ञ समाज शब्द का अभ्यर्चन करता है। उसकी अपनी शब्द-शक्ति उसे युग का अभिप्रेरक बनाती है और वह समय के समुद्र में भटके हुए जहाजों के लिए आश्वस्तिकर दीप-स्तंभ का काम करता है, दिशा बोधक ध्रुवतारा बनकर उत्तरी आकश में उदित होता है।

किन्तु इधर भारतीय साहित्यिक परिवेश में एक अस्वस्तिकर प्रवृत्ति के दर्शन हुए हैं जो साहित्य की भागीरथी में राजनीति के कर्मनाशा के अबाध प्रवेश को निरूपित कर रही है। जिन साहित्यकारों को आज से पहले देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर घटती रही दुर्भायपूर्ण घटनाओं ने कभी विचलित नहीं किया, कश्मीरी पंडितों के ऊपर ढ़ाये गये अमानुषिक अत्याचारों ने जिनकी रातों की नींद में कभी खलल नहीं डाला उन्हें अचानक एहसास हुआ कि किसी राज्य में घटित कानून व्यवस्था सम्बन्धी दुर्घटना की भी वास्तविक ज़िम्मेदारी केन्द्र सरकार पर आती है और अपना आक्रोश तथा विक्षोभ प्रकट करने के लिए उन्होंने उन साहित्यिक पुरस्कारों को लौटाने की घोषणा कर दी जिन्हें केन्द्रीय सरकार के द्वारा नहीं एक स्वायत संस्था के द्वारा प्रदान किया गया था। एक बार यह सिलसिला शुरु होते ही स्वयं को इंसानी भेड़ों में बदलने की प्रवृत्ति का रोग महामारी की तरह फैल गया और बड़े-बड़े नाम टी.वी.चैनलों पर छोटी-छोटी हरकते करते नज़र आये। इस प्रसंग को डॉ. कुँवर वैचैन की एक टिप्पणी के साथ विराम देता हूँ -

वो देखो हड़हड़ाता आ रहा है बाढ़ का पानी,
मगर मैं पेड़ हूँ किस्मत में है मेरी खड़े रहना।

मैं कितने ही बड़े लोगों की नीचाई से वाकिफ़ हूँ,
बहुत मुश्किल है दुनिया में बड़े होकर बड़े रहना।

-डॉ. शिव ओम अम्बर

आबूरोड, राजस्थान पश्चिम : शाखा का भारत को जानो कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम बांसड़ा स्थित राजकीय विद्यालय में आयोजित हुआ। सामेलाराम व शिवराम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधान मगन सिंह जोधा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

सांचौर : भारत को जानो प्रतियोगिता में 12 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। देवकरण पब्लिक स्कूल प्रथम स्थान पर रहा। कनिष्ठ वर्ग में विवेक विद्या मंदिर प्रथम रहा। (कार्यक्रम संयोजक- राकेश रानावत।)

सुमेरपुर : प्रान्त स्तरीय भारत को जानो में 14 शाखाओं ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में गोविन्द कुमार देवीलाल प्रथम रहे। कनिष्ठ वर्ग में कु. मनीषा और अर्चना तंवर विजेता रही। (प्रकल्प प्रभारी धनराज व्यास।)

बाड़मेर : शाखा का भारत को जानो प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग के 21 विद्यालयों के 762 बच्चों तथा कनिष्ठ वर्ग के 393 बच्चों ने भाग लिया। (सचिव-चन्द्र प्रसाद गुप्ता।)

शाहपुरा-भीलवाड़, राजस्थान मध्य : भारत को जानो में वरिष्ठ तथा कनिष्ठ की 16 टीमों ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में आदर्श विद्या मंदिर प्रथम तथा सीनियर वर्ग में गाँधी विद्यालय गुलाबपुरा प्रथम रहा। श्री विनोद वागड़ मंत्री माहेश्वरी ट्रस्ट मुख्य अतिथि रहे। (अध्यक्ष जयशंकर पाराशर।)

मदनगंज-किशनगढ़ : भारत को जानो में 34 विद्यालयों के 8316 बच्चों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। कार्यक्रम में 168 सदस्यों ने भाग लिया। शाखा में 4 जोड़े नेत्र दान प्राप्त किये तथा उपयुक्त लोगों को प्रत्यारोपण करवाया गया। नन्दकिशोर अग्रवाल प्रभारी जुगल राठी, विजय शर्मा, हरि किशन जी का विशेष सहयोग रहा। शाखा के राष्ट्रीय समूहगान कार्यक्रम में 23 विद्यालय की टीमों ने भाग लिया। अग्रवाल बालिका विद्यालय प्रथम, एम.एस.एस. विद्यालय द्वितीय तथा आदर्श विद्या मंदिर तृतीय रहे। (सचिव विजय शर्मा)

रोगोपचार के राम-बाण घरेलू नुस्खे

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति रोग का नहीं बल्कि स्वास्थ्य का विज्ञान है। प्राचीन काल में इसी पद्धति द्वारा रोगों को उपचार होता था। इसी कारण लोगों का लगाव फिर से आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की ओर होने लगा है। कुछ सामान्य रोगों को उपचार दोहों के रूप में दिये जा रहे हैं जो हमारे दैनिक जीवन में उपयोगी सिद्ध होंगे।

शीतल जल में डालकर, सौंफ गलाओ आप।
मिश्री के संग पान कर, मिटे दाह-संताप।।१।।

वात-पित जब-जब बढ़े, पहुँचावे अति कष्ट।
सौंठ, आँवला, दाख संग, खावे पीड़ा नष्ट।।२।।

नींबू के छिलके सुखा, बना लिजिए राख।
मिटै वमन मधु संग ले, बढ़ै वैद्य की साख।।३।।

पत्ते नागरबेल के, हरे चबाये कोय।
कण्ठ साफ सुथरा रहे, रोग भला क्यों होय।।४।।

खाँसी जब जब भी करे, तुमको अति बेचैन।
सिकी हींग अरु लौंग से मिले सहज ही चैन।।५।।

अजवाइन को पीसिये, गाड़ा लेप लगाय।
चर्म रोग सब दूर हो, तन कंचन बन जाय।।६।।

अजवाइन को पीस ले, नीबू संग मिलाय।
फोड़ा फुंसी दूर होय, सभी बला टल जाय।।७।।

रोटी मक्के की भली, खा ले यदि भरपूर।
बेहतर लीवर आपका, टीवी भी हो दूर।।८।।

गाजर संग रस आँवला, बीस औ चालीस ग्राम।
रक्त-पाच हृदय सही, पाये सब आराम ।।९।।

लाल टमाटर लिजिए, खीरा सहित स्नेह।
जूस करेला साथ हो, देर रहे मधुमेह।।१०।।

सात पत्र ले नीम के, खाली पेट चबाय।
दूर करे मधुमेह को, सब कुछ मन को भाय।।११।।

तुलसी दल को लीजिए, उठ कर प्रातः काल।
सेहत सुधरे आपकी, तन-मन माला माल।।१२।।

थोड़ा गुड़ लीजिए, दूर रहें सब रोग।
अधिक मत खाइए, चाहे मोहन भोग।।१३।।

एलोवेरा-आँवला, करे खून में वृद्धि।
उदर व्याधियाँ दूर हों, जीवन में हो सिद्धि।।१४।।

दस्त अगर आने लगे, चिंतित दीखे माथ।
दाल-चीनी का पाउडर, ले पानी के साथ।।१५।।

बीस मिली रस आँवला, पाँच ग्राम मधु संग।
सुबह शाम में चाटिये, बढ़े ज्योति सब दंग।।१६।।

बांसवाड़ा, राजस्थान दक्षिण : भारत को जानो की प्रतियोगिता में 22 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। डॉ. भूपेन्द्र शर्मा ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो चरणों में सम्पन्न हुई। संचालन डॉ. प्रभुलाल शर्मा, जोगेश जैन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। समूहगान प्रतियोगिता में 72 टीमों ने भाग लिया। हिन्दी में न्यूलूक चिन्मय पब्लिक स्कूल तथा केन्द्रीय विद्यालय विजयी रहे।

बाड़ी, राजस्थान पूर्व : शाखा में भारत को जानो सम्पन्न हुआ। समयपुरा के 3 विद्यालयों के 357 छात्रों ने भाग लिया। बाड़ी के 26 विद्यालयों के 15932 बच्चों ने भाग लिया। (प्रभारी राजीव मंगल।)

बहरोड़ राजस्थान उत्तर पूर्व : भारत को जानो क्विज में 9 टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि फ्लाइंग ऑफिसर चेतराय गुर्जर थे। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिये गये। (अध्यक्ष देवेन्द्र यादव।)

डबरा, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा आयोजित भारत को जानो लिखित परीक्षा में 4000 बच्चों ने भाग लिया जिसमें

वनखण्डेश्वर हाई स्कूल की टीम विजेता रहा। क्विज मास्टर रमा मोदी, पूजा कुकरेजा रहे।

पटियाला, पंजाब पूर्व : भारत को जानो में 300 छात्रों ने भाग लिया। 5 स्कूलों की टीमें प्रतियोगिता में शामिल हुई। अध्यक्ष हरीकृष्ण गुप्ता ने सर्व हितकारी स्कूल प्रथम, वीर हकीकत राय द्वितीय, शकुन्तला स्कूल तृतीय को पुरस्कार प्रदान किये।

मुक्तसर, पंजाब दक्षिण : भारत को जानो में 358 सीनियर 387 जूनियर छात्रों ने भाग लिया। प्रधान मलखान सिंह।

कैथल, हरियाणा उत्तर : भारत को जानो प्रतियोगिता में कुल 18 टीमों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में ओ.एस.डी.ए.वी. स्कूल प्रथम रहा। कनिष्ठ वर्ग में दर्शन एकेडमी स्कूल प्रथम रहा। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता में डी.ए.वी. स्कूल प्रथम रहा। खालसा स्कूल की टीम दूसरे स्थान पर रहा। कार्यक्रम में कोमल का एकल नृत्य, हिनू कन्या स्कूल का गिद्दा, खालसा स्कूल का सबद कीर्तन सराहनीय रहा। करवा चौथ का सामूहिक आयोजन में सजने सवरने, खेल गीत का प्रतियोगिता हुई। श्रृंगार में दीपिका गर्ग को प्रथम, मेंहदी में पूनम गर्ग को प्रथम स्थान मिला। उषा अग्रवाल ने चौथ महत्व पर प्रकाश डाला। सुन्दर काण्ड का सामूहिक पाठ सम्पन्न हुआ।

निःशक्त जीत

कबड्डी की जिला स्तर प्रतियोगिता कई स्कूलों की टीमें इसलिए भाग नहीं लेती थी कि उनको मालूम था कि जब तक गढ़ी गोवा की कमला टीम में है, कोई जीत नहीं सकता। उसके हाथ जैसे लोहे के बने है। एक बार पकड़ ले तो बस। एक दिन की बात कमला माँ के साथ चारा काट रही थी। चारा काटते समय उसका दाहिने हाथ का पंजा कट गया। आस-पास के सभी स्कूलों में यह समाचार आग के समान फैल गया। इस वर्ष की प्रतियोगिता में दोगनी संख्या में टीमों ने भाग लिया। कमला एक हाथ से पकड़ रही थी। किसी खिलाड़ी की हिम्मत नहीं थी कि उसकी पकड़ से निकल सके।

फिर कमला की टीम प्रथम आई। पत्रकार ने विकलांग कमला से पूछा कि तुमने एक हाथ से दो हाथ वाली लड़कियों को कैसे हराया। उसने कहा पत्रकार भाई हार जीत शरीर से नहीं हौसले से होती है। फिर मैंने दुगना परिश्रम किया तो भगवान ने मेरी टीम को विजयी किया। कमला का चेहरा खुशी से दमक रहा था।

सूरज-पंचकूला : शाखा ने भारत को जानो का आयोजन किया। 15 स्कूलों ने भाग लिया। लिखित परीक्षा में 475 छात्र सम्मिलित हुए। वरिष्ठ वर्ग में संस्कृति मॉडल स्कूल से. 20 पंचकूला प्रथम रहा। कनिष्ठ वर्ग में पब्लिक स्कूल पंचकूला प्रथम रहा। प्रगति इस्टेट के श्री साहिल बंसल ने पुरस्कार बांटे। करवा चौथ का उत्सव में गीत, भजन, तम्बोला व प्रश्नोत्तरी सम्पन्न हुई। श्रीमती सुशील सूरजदान ने संचालन किया। सभी महिलाओं को सुहाग पिटारी भेंट की गई।

अम्बाला सदर : भारत को जानो कार्यक्रम हरगोलाल गर्ल्स स्कूल अम्बाला में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक नान्दरा थे। जैन गर्ल्स स्कूल ने प्रथम, हरगोलाल स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। (सचिव-राजीव शर्मा।)

गायत्री-बरवाला, हरियाणा पश्चिम : बरवाला शाखा द्वारा भारत को जानो में 106 टीमों ने भाग लिया। 108 स्कूलों में लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 212 प्रतिभागी तथा 800 अभिभावक व सदस्यों ने भाग लिया। भारतीय विद्या मंदिर वरिष्ठ वर्ग में प्रथम रहा। नवोदय विद्यालय द्वितीय तथा शवमा विद्यालय तृतीय रही। कनिष्ठ वर्ग में शान्ति निकेतन स्कूल प्रथम, शान्ति देवी स्कूल द्वितीय तथा भारती विद्या मंदिर तृतीय रहा। (सचिव राम निवास वर्मा।)

परमहंस-लखनऊ, अवध प्रदेश : भारत को जानो लिखित परीक्षा 11 विद्यालयों में सम्पन्न हुई। कुल 4752 बच्चों ने भाग लिया। कुल 20 टीमों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में रानी लक्ष्मी बाई मेमोरियल चांदगंज ने प्रथम स्थान पाया। वरिष्ठ वर्ग में रानी लक्ष्मी बाई स्कूल सर्वोदय नगर ने बाजी मारी। सभी को प्रमाण पत्र व पुरस्कार दिये गये। (शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल।)

इन्दिरानगर-लखनऊ : भारत को जानो में 11 टीमें सम्मिलित हुई। वरिष्ठ वर्ग में वी.के.कॉनवेन्ट स्कूल के विवेक कुमार तथा फैज खान प्रथम रहे। कनिष्ठ वर्ग में आर.एल.वी. मेमोरियल के सिद्धार्थ शर्मा अमन शुक्ला प्रथम रहे। स्थानीय भूतनाथ बाजार में पोलिथिन जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें 200 इको फ्रेन्डली थैले वितरित किये गये। (सचिव डी.सी. चतुर्वेदी।)

मानसरोवर-लखनऊ : भारत को जानो में 200 छात्रों ने भाग लिया। नैन्सी प्रजापति अंचल मौर्य कनिष्ठ वर्ग तथा प्रियंका दास प्रतीक सिंह वरिष्ठ वर्ग में विजेता रहे। (सचिव आर.के.गुप्ता।)

भर्थना-इटावा, ब्रह्मावर्त : भारत को जानो प्रतियोगिता आर्या श्यामा इण्टर कॉलेज में सम्पन्न हुई। दस विद्यालय की टीमों ने

भाग लिया। शेष कुमार ओझा क्विज मास्टर रहे। वरिष्ठ वर्ग में रजत प्रताप सिंह, दीपक राज तथा कनिष्ठ वर्ग में आयुष यादव, श्रेष्ठी चौधरी विजेता रही।

उत्कर्ष-मेरठ : भारत को जानो में 5 टीमों ने भाग लिया। भारतीय कन्या इण्टर कॉलेज विजयी रहा। समूहगान में 6 टीमों ने भाग लिया। के.एल. इण्टर कॉलेज प्रथम रहा।

नाहन, हिमाचल प्रदेश पूर्व : प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता में शिमला के डी.ए.वी. स्कूल ने दोनों वर्गों की प्रतियोगिता जीत ली। प्रतियोगिता में शिमला, सोलन, बिलासपुर, सिरमौर की टीमों ने भाग लिया। कोषाधिकारी सतीश कुमार अतिथि रहे। उन्होंने प्रतियोगिता की प्रशंसा की। मानस और शेखर डी.ए.वी. स्कूल शिमला सीनियर वर्ग में विजेता रहे तथा हिमालिनी अंकिता द्वितीय तथा जीवन और मोहित ने तृतीय स्थान पाया।

वनवासी सहायता-प्रवास रिपोर्ट

डॉ. युधिष्ठिर त्रिवेदी, राष्ट्रीय मंत्री अपने 4 दिवसीय प्रवास में सांचौर विकलांग केन्द्र पहुँचे। नि:शुल्क डिसपेन्सरी, फिजियोथिरैपी सेन्टर, कृत्रिम निर्माण अंग कार्यशाला का भ्रमण किया। दो एम्बुलेंन्स सेवाएँ भी उपलब्ध है। अशान्त उत्तर पूर्वांचल की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त कर सभी ने सहयोग का आश्वासन दिया। पथमेडा गौधाम में रोगी तथा वृद्ध गायों की व्यवस्था वैज्ञानिक विधि से की जाती है। 12000 गोवंश का रख रखाव अनूठे ढ़ंग से किया जाता है। बाड़मेर शाखा की मेडिकल लैब इस क्षेत्र में आधे से कम शुल्क पर विश्वनीय सेवा प्रदान करती है। सांचौर तथा बाड़मेर शाखा द्वारा दो लाख रुपया वनवासी सहायता हेतु देने का संकल्प लिया। जैसलमेर शाखा द्वारा सहायता के लिए बैठक आयोजित की गई। सहयोग का संकल्प लिया गया। सभी प्रान्तों के द्वारा राष्ट्रीय मंत्री का प्रवास अपेक्षित है।

Dharamshala, H.P. West: Branch organized BKJ & NGSC in the premises of Dayanand Model Senior Secondary School on 29-10-2015. It was presided over by ShriSatish Sharma, Managing Director Kangra Co-operative Bank Ltd., Dharamshala. Nine (9) Schools participated in BKJ and Five (5) schools participated in NGSC Fifteen (15) members also attended the function. Branch conducted the competition on 31st October 2015 in the premises of Sidda Ganga Public School, Chandra layout, Bangalore. The event was inaugurated by the principal Smt. Janaki,. As many as 19 schools took part in the competition.Florence High School, Basaveswaranagar, Bangalore bagged the first prize in senior level.Holy Angels High School (State), RPC layout, Bangalore stood first in the junior level.Second, third and consolation prizes were also awarded in both categories.The event was well attended by Shakha members and parents and teachers of the competing teams.

Jammu-Kashmir : State level BKJ was organized at Guru Harikrishan Public School Jammu Brig Suchel Singh was the Chief Guest and Kavender Gupta speaker was present in the function. DograH.SecScoolShashtin Major and Govt. Middle School Railway Station Jammu stood first – Anita Sharma conducted the programme J.K. Public School Kunj was on the state level NGSC of J & K.

Chandigarh West-II, Punjab East :BKJ competition was arranged by the branch, on 29th October, wherein fourteen children from seven schools in the Junior category and twelve students from six schools in Senior Category, participated.

Delhi South : Branch level competition of BKJ was held on 9th October 2015 in various school. 4262 students participated at the junior level and 2660 students from the senior level. 14 winning teams competed at the state level program at Kalka Public School, Alaknannda, New Delhi on 6th November, 2015. The students anchored the entire programme and made it lively. ShriS.K.Wadhwa National Working President was Chief Guest. Winners were: 1st Columbia Foundation (Vikaspuri Branch). 2nd Modern Era Convent (Janakpuri A Branch).3rdMissionery School (Janakpuri B Branch). Trophies and Participation Certificates were given to the winning teams.

Vardan, Delhi North : On the 13th October BKJ was conducted at SarvodayaVidyalaya, Sec-6, Rohini, for the junior and senior categories. The first 3 rank holders of the two categories will participate at the state level competition to be held later this year.

Ramnagar-Varanasi, Kashi Pradesh : BKJ pratiyogita organized by the branch on 31/10/2015 (likhitpariksha) quiz on 8/11/2015 at DAV School, Azad National school, DAV public School stood 1st and Modi Academy second place in Junior Category.

Nanjangud, Karnataka South : Organised State Level Quiz Competition 'Bharat-Ko-Jano' on 8th November, hosted by Nanjangud Shakha at their holy town. 27 teams from schools all over the Prant participated.

The team from Cambridge P.U.College,Channapatna and the team from Himamshu High School, Malleswaram,Bangalore secured Ist prize in the Senior and Junior category respectively thereby qualifying to represent the Prant in the All India Competition to be held in January 2016 at Agra. 2nd, 3rd and consolation prizes were awarded to the lower ranked teams, besides mementos to the non-winning participating schools.

Karnataka North: State level B.K.J. was organized at UshataiGogle Higher Sec. School Belgaum. Ten schools participated in the competition. M.V.HarvedkerSchoool Belgaum stood first representing. TenmayS.Despande and AdityasShelti.

Jorhat, Assam : BKJ quiz competition amongst school students(class IX- XII) of Jorhat was organized on 18 October, by the Jorhatcentre of BVP at Senior Citizens' Forum, 15 teams from eight schools participated in the competition. Mr. G P Mahanta, A A O, Tea Board, Dibrugarh conducted the Quiz Competition. Carmel School, Jorhat ranked 1st and received Late Amal Kumar Majumdar Running Trophy. The second and 3rd positions were bagged by the Army Public School, Rowriah, Jorhat.

Warangal, Telangana : BKJQuiz Competition was Conducted at Indian High School on Nov 11, 2015 in which 19 Schools Participated.SriDamodarReddy,President, TelanganaPrant, B N Reddy, President BVP,Warangal, Sri GovindarajuGaru and Uma Devi Garu, ProgConvenors& BVP Members were present.

Vyasa,Tamilnadu : Branch organized BKJ 2015 on 1.11.2015 at SanthanaMahal, Adambakkam , Chennai . Five schools participated. In junior category DAV School, Adambakkam and in senior category Modern Senior Secondary School, Nanganallur won the first prizes and qualified for State Level BKJ Competition. Mr. M MGadre and Mr. AnandGadre conducted these competitions as quiz masters.

पुस्तक समीक्षा

इन्द्रधनुषी धड़कन

डॉ. चम्पा श्रीवास्तव की काव्य-कृति ''इन्द्रधनुषी धड़कन'' (प्रकाशक-आशीष प्रकाशन, कानपुर मूल्य 90/-रु०) एक संभावनाशील कवयित्री के अन्राकाश में उदित भावनाओं के सप्तवर्णी इन्द्रधनुष की शब्द-काया में समाहित धड़कन है। जीवन के विविध आयाम कवयित्री की भावना और चिन्तना से दीप्त कविता-पंक्तियों में समाहित हो गये हैं और एक सहृदय पाठक के भाव-संसार को समृद्ध करते हैं। कहीं-कहीं कविता की पंक्ति वैचारिक सूक्ति बन जाती है -

(पढ़ा लिखा मानव) अख़बार के पन्नों में
अपने को ही पढ़ता है!

तो कहीं वह युग-सत्य को निरूपित करती तीखी वाणी -

आज का मानव
कितना अजीब है,
अन्तर से खोखला
और ऊपर से मशीन है!

इन्द्रधनुषी धड़कन कवयित्री के भव-जगत् में झाँकने के लिये एक खिड़की खोलती है और कहीं शब्दों, कहीं संकेतों के माध्यम से बड़ी ही आत्मीयता के साथ एक सामान्य आदमी से बतियाती है, बोलती है।

-**डॉ. शिव ओम अम्बर**, साहित्यकार

राष्ट्रभाषा हिन्दी

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने कहा था-भारतवर्ष को अगर सचमुच एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने या न माने राष्ट्रभाषा हिन्दी ही बना सकती है। क्योंकि जो स्थान हिन्दी को प्राप्त है, वह किसी दूसरी भाषा को नहीं मिल सकता। राष्ट्र भाषा में राष्ट्र की आत्मा निवास करती है।

राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत की भाँति यदि हमारे देश की विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका हिन्दी को व्यावहारिक रूप से शनैः-शनैः अपना लें तो हिन्दी का और देश का बड़ा कल्याण होगा। यदि ऐसा न किया गया तो जब राष्ट्रप्रेम जागृत लोकमत के रूप में अभिव्यक्ति होगा तब उन राष्ट्र -नागरिकों के प्रभाव से देश हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में व्यावहारिक रूप से स्वयं स्वीकार कर लेगा।

चेकोस्लोवाकिया के विद्वान **प्रो. ओदोलेन स्मेकलन ने नागपुर में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन** में कहा था, देश की आत्मा को समझने के लिए उसकी भाषा को समझना चाहिए। महाकवि मैथिलीशरण गुप्त की कामना युक्त रचना पंक्तियों के अंशमात्र का स्मरण करें-**'भगवान भारतवर्ष में गूंजे हमारी भारती'**। भारत से महाकवि का आशय राष्ट्रभाषा हिन्दी था।

हिन्दी केवल भाषा ही नहीं, यह भारत की स्वत्व, अस्मिता और सांस्कृति की भी प्रतीक है। समाज में चेतना जागरण का भाव, देशभक्ति का भाव, अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों का ज्ञान भाषा के माध्यम से ही दिया जा सकता है। हिन्दी वह भाषा है, जिसके माध्यम से हमने स्वतंत्रता आन्दोलन को सारे देश में गुंजायमान किया और उसके संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। आज भी हिन्दी ही हम सबको एकता के सूत्र में बाँध सकती है और समाज तथा राष्ट्र को समृद्धशाली बना सकती है।

हिन्दी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता की दृष्टि से हाल ही में घटित एक घटना से अत्यन्त सुखद और साकारात्मक संकेत पूरे देश को मिले हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली भारत प्रशासनिक सेवा परीक्षा में हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को हटाकर अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र को अनिवार्य बनाकर, उसमें प्राप्त अंकों को मैरिट में जोड़ने का निर्णय जैसे ही किया, वैसे ही पूरे भारतवर्ष से प्रबल विरोध के स्वर गूंज उठे। हर्ष तब हुआ जब भारत की सार्वभौम संसद में दक्षिण भारत के सांसदों ने अंग्रेजी का मुखर विरोध करते हुए हिन्दी तथा अन्य प्रादेशिक भाषाओं को बनाए रखने की मांग अत्यन्त मुख रूप से उठाई। गर्व और हर्ष का विषय है कि द्रविड़मुनेत्र कडगम ने हिन्दी की राष्ट्रव्यापी महत्ता और स्वीकार्यता पर अपनी मुहर संसद में लगाई है।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन के आरंभिक सूत्रधारों में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन, महामना मदनमोहन मालवीय, महात्मा गाँधी, डॉ. रघुवीर, सेठ गोविन्द दास आदि की राष्ट्रभाषा के विकास, प्रचार और प्रसार में विशिष्ट भूमिका रही है।

राजभाषा हिन्दी को संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए हमारे पास सब कुछ है, जैसे-राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प। पर हमारे पास- स्वाभिमान, संकल्प, निष्ठा, मानसिकता और प्रतिबद्धता नहीं है। अब आप यदि इसे देश की राजभाषा की जगह राष्ट्रभाषा हिन्दी बनाना चाहते हैं, तो इसका प्रारम्भ हमको ही करना होगा।

हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि राष्ट्र हिन्दी केवल बोलचाल की भाषा बनने तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि यह आम आदमी की व्यावहारिक, आदलती, सरकारी कार्यों की भाषा बने। अतः यह आवश्यक है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में हिन्दी को अपनाएँ। अपने तथा संस्थान के समस्त पत्रचार, निमंत्रण-पत्र, आवेदन, नाम-पट्टिका और सार्वजनिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करें। हिन्दी में सोचें, हिन्दी में लिखें। हिन्दी को हम केवल अनुवाद की भाषा ही बनाकर न चलें। जब हम मूल रूप में हिन्दी में सोचने, समझने और लिखने की आदत डालेंगे और हिन्दी की हमें आवश्यकता क्यों है इस बात को समझेंगे और अन्य लोगों को समझायेंगे तब ही हम अपनी राष्ट्रभाषा की सच्ची सेवा कर सकेंगे।

इसलिये ही तो नव निर्वाचित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्रभाषा हिन्दी का महत्व समझा है और राजकाज प्रादेशिक भारतीय भाषाओं को यथासम्भव महत्व देते हुए हिन्दी में कार्य करने का निर्णय लिया है। जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

-**महेश चन्द्र शर्मा**, पूर्व महापौर, अध्यक्ष, दिल्ली हिन्दी साहित्य सम्मेलन

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

डबरा, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में बी.एस.एफ स्कूल देकनपुर प्रथम रहा। संत कंवर राम स्कूल द्वितीय व नवोदय स्कूल तृतीय रहा। निर्णायक अरुण धर्माधिकारी, मेघा शर्मा, संतोष मुरमकर रहे। संचालन हेमन्त मोदी ने किया। 20 विद्यालयों में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन मनाया गया। स्वच्छता अभियान के लिए बच्चों को जागृत किया गया।

शिवपुरी : समूहगान में शिवपुरी के 9 स्कूलों ने भाग लिया। सरस्वती विद्यापीठ ने प्रथम स्थान पाया। इस टीम ने प्रान्तीय प्रतियोगिता में भाग लिया। शरद पूर्णिमा उत्सव पर गीत, गजल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राजेन्द्र पारीक गजल गायक तथा उनकी टीम ने सराहनीय प्रस्तुति की।

संस्कृति-ग्वालियर : समूहगान सम्पन्न किया गया। भास्कर द्वारा आयोजित अन्नदान कार्य में 100 किलो ग्राम अन्न दिया गया। छतरी प्रांगण में शरद उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष ज्योति वर्मा अलका कुशवाहा, मीनाक्षी गोयल ने भाग लिया।

अहिल्या इन्दौर, मध्य भारत दक्षिण : समूहगान कार्यक्रम प्रेस्टिज संस्थान में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राम किशोर दोगने ने छात्रों को सम्बोधित किया। प्रथम स्थान तीरथ बाई कलान्पन्द विद्यालय को प्राप्त हुआ, द्वितीय सिक्का विद्यालय तथा तृतीय अहिल्या शिशु विहार को मिला।

निपटारा

हमारा परिवारिक जीवन सुख से चल रहा था। भाईयों में कभी कोई समस्या होती तो पापा कहते-कोई बात नहीं माँ है न। सभी समस्याओं का निपटारा हो जाएगा। ऐसे लड़ते झगड़ते आत्मीयता और स्नेह की छाव में हम सब बड़े हो गये। अलग-अलग शहरों में हम अपने व्यवसाय, नौकरी में चले गये। समय बीतता गया। उम्र का प्रभाव माँ बीमार हो गई। हम सब आये माँ को अपने साथ कौन ले कर जाए? छोटे भाई ने कहा मेरा तो काम अभी जम नहीं पाया है। शीला भी कोचिंग जाती है। ऐसे में माँ की देख भाल करना मुश्किल है। मझले ने बताया मैं आठवीं मंजिल पर रहता हूँ। लिफ्ट भी नहीं है। ऐसे में माँ को ले जाने में परेशानी होगी। मैं स्वयं उधेड़ बुन में था, तीन बच्चों का खर्च, पढ़ाई, छोटा मकान। अपना गुजारा ही मुश्किल था। ऐसे बाते चलती रही। हल नहीं निकला। अगले दिन माँ ने ही निपटारा कर दिया। वे दुनिया छोड़ कर चली गई।

कटनी, महाकौशल : समूहगान में 8 टीमों ने भाग लिया। जे.पी.वी.डी.ए. स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साइना इन्टरनेशनल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में गीतांजलि कला परिषद् फर्स्ट स्टेप नर्सरी स्कूल ने कार्यक्रम प्रस्तुत किये महापौर शशांक श्रीवास्तव, अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

रीवा : शाखा द्वारा समूहगान का आयोजन सरस्वतीपुरम में किया गया। प्रो. पी.के.सरकार ने 8 विद्यालयों के 80 छात्रों की प्रतियोगिता देखकर गदगद हुए। विद्या शिल्प एकेडमी प्रथम, सरस्वती उ.मा.विद्यालय जेल मार्ग की टीम द्वितीय तथा निरालानगर की टीम तृतीय रही। वी.पी. सूरी विशिष्ट अतिथि रहे। कल्पना गुप्ता, वी.के.थापर, महेन्द्र सर्राफ, एन.सी.चौरसिया ने सहयोग किया।

मेरठ मेन, हस्तिनापुर : समूहगान में 7 टीमों ने भाग लिया। डॉ. अनिता कुमारी, संध्या शुक्ला निर्णायक रहीं। आर्य स्कूल प्रथम स्थान पर रहा। दीवान पब्लिक स्कूल द्वितीय तथा आई. आई.एम.टी तृतीय रहा। संयोजक-राजेन्द्र गर्ग।

अभिनव-मेरठ : समूहगान में शाखा की डी.एस. इन्टरनेशनल ट्रासलेम इन्टरनेशनल स्कूल को प्रथम गुरु हरेकृष्ण पब्लिक स्कूल द्वितीय तथा सरस्वती शिशु मंदिर को तृतीय स्थान मिला।

सुखे कुँएं में आया पानी

उदयपुर के सुखाड़िया सर्किल के पास 70 वर्ष पुराना एक कुआँ था। इसके पानी से सर्किल व्यू अपार्टमेंट का निर्माण हुआ। कुछ वर्ष पहले यह कुआँ सूख गया। बोरवेल बनाए गये। वे भी सूख गया। तभी पर्यावरण विद् कमल कर्नावट और जल संरक्षण प्रेमी डॉ. पी.सी.जैन के सुझाव पर अपार्टमेंट की छतो से एकत्र वर्षा जल को कुए तथा बोरवेल से जोड़ दिया गया। आश्चर्य जनक किन्तु सत्य। कुएं में पानी आ गया। बोरवेल काम करने लगा। सुखे कुएं और बोरवेल को वर्षा जल से रिचार्ज करें ताकि भविष्य में पानी का अभाव न रहे। श्री कमल कर्नावट और डॉ. जैन को बधाई।

संस्कार मेरठ : समूहगान में 7 टीमों ने भाग लिया। एम.पी.जी.एस. स्कूल प्रथम, सरस्वती शिशु मंदिर द्वितीय तथा राधा गोविन्द स्कूल की टीम तृतीय रही। भारत को जानो में जूनियर वर्ग में एल.टी.आर. पब्लिक स्कूल कुराली प्रथम, माउण्ट लिट्रा स्कूल द्वितीय रहे। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में 11 अध्यापिकाओं तथा 19 छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सितारगंज, उत्तराखण्ड पूर्व : समूहगान के आयोजन में ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल ने प्रथम, विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज ने द्वितीय तथा स्कालर वैली स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रीपाल राणा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। श्रीमती रेखा अड़ोरा तथा आर.के.गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष-महेश मित्तल।

सुभाष-भीलवाड़ा, राजस्थान मध्य : प्रान्तीय समूहगान का आयोजन सम्पन्न हुआ। 14 टीमों ने भाग लिया। श्री शान्ति लाल पनगडिया तथा मालचन्द्र गर्ग उपस्थित रहे। भीलवाड़ा की सेन्ट्रल एकेडमी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बालोतर, राजस्थान पश्चिम : प्रान्तीय समूहगान का आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रथम वन्देमातरम स्कूल पाली, द्वितीय राजकीय बालिका विद्यालय पचपदरा को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष द्वारका प्रसाद गोयल, भूपत चोपड़ा, भरत लोहिया ने विजेताओं को पुरस्कार बांटे।

चौकीदार का बेटा बना पायलट

बेंगलुरु/सागर - वह कहा करता था, तीन पहिए मेरी जिंदगी हैं। इन्हीं से दुनिया देखनी है और वाकई उसने अपने सपने को सच कर दिखाया। महज चार साल पहले व नागपुर की सड़कों पर ऑटो चलाता था। आज इंडिगो एयरलाइन्स के विमान उड़ाता है। यह शक्स हैं, श्रीकान्त पंतवणे। 12वीं तक पढ़े थे। अंग्रेजी आती नहीं थी। पिता चौकीदारी करते थे। परिवार के माली हालात, इन्हें तो क्या किसी भी सदस्य को बड़े सपने देखने की इजाजत देने को राजी नहीं थे। पर इन्होंने देख लिए। एक बार ऑटो से किसी सामान की डिलीवरी करने नागपुर एयरपोर्ट गये थे। वहीं पायलटों पर नजर पड़ी। एयरपोर्ट के बाहर चाय की दुकान पर खड़े लोगों से पूछ लिया पायलट कैसे बनते हैं? लेकिन उन्होंने जो बताया, उससे एक बार तो हिम्मत जवाब ही देने लगी। जितना खर्च, जितनी पढ़ाई-लिखाई चाहिए थी, वह तो कुछ भी नहीं था। लेकिन अब तक ठान लिया था कि पायलट ही बनना है। उन्हीं लोगों में से किसी ने बताया था कि 12वीं की पढ़ाई के बाद ही पायलट की ट्रेनिंग के लिए सरकार से स्कॉलरशिप मिल जाती है। सो, फिर किताबें उठाई और तैयारी शुरू कर दी। - **युग प्रवाह**

श्रीगंगानगर, राजस्थान उत्तर : प्रान्तीय समूहगान प्रतियोगिता में हनुमानगढ़ की टीम प्रथम, श्रीगंगानगर की टीम द्वितीय तथा बीकानेर की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कियां मुख्य अतिथि श्री कर्ण सिंह गोठवाल एडीएम के साथ पीएनबी के मंडल अधिकारी वी. के.सचदेवा, डॉ. नरेश बंसल व्यावसायी श्री विजय गोयह रहे। राष्ट्रीय मंत्री त्रिभुवन शर्मा ने टीमों का उत्साहवर्धन किया।

छीपा बड़ौत, राजस्थान दक्षिण पूर्व : प्रान्त स्तरीय समूहगान में 12 शाखाओं की टीमों ने भाग लिया जिसमें लारेंस मेमोरियल स्कूल कोटा प्रथम, स्प्रिंग डल्स स्कूल कोटा द्वितीय तथा लक्ष्मी चन्द गोयल स्कूल छीपा बड़ौत तृतीय रहा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पी. के.जैन मुख्य अतिथि ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस शाखा ने अबतक नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के 65 शिविरों में 32224 मरीजों की जांच हो चुकी है तथा 10256 ऑपरेशन किये जा चुके हैं।

बोकारो स्टील सिटी उत्तर, झारखण्ड : समूहगान में 6 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। कमान्डेन्ट डॉ. संजय कुमार मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने देशभक्ति के लिए परिषद् के इस प्रकल्प की सराहना की। अनिल त्रिपाठी, ए.के.गुप्ता, श्री यशपाल उपस्थित रहे।

पवई-चांदीवली, महाराष्ट्र-1 : एस.एम.सेट्टी स्कूल में समूहगान का आयोजन सम्पन्न हुआ। श्रीमती शशि राठौर, सरोज गुप्ता, किरण कुमावत ने मिलकर प्रतियोगिता की व्यवस्था की। महाराष्ट्र के कोली गीत, भारुड़ गीत, राजस्थान के केसरिया गीतों ने समां बांध दी। लक्ष्मी नारायण खण्डेलवाल के कुशल संचालन तथा पुरस्कार वितरण ओ.पी कानूनगो ने किया। समूहगान में विजयी टीम-एस. एम.शेट्टी, संदेश विद्यालय, सावित्री बाई फुले विद्यालय रही। संस्कृत गायन तथा लोकगीत भी प्रस्तुत किये गये।

हिमाचल प्रदेश पूर्व : प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता काली बाड़ी हॉल में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में सोलन, शिमला, कसुम्पटी, बिलासपुर, पोंटा साहिबमाजरा तथा बद्दी स्कूलों ने भाग लिया। राष्ट्रीय विद्या केन्द्र कसुम्पटी प्रथम, नव ज्योति स्कूल बिलासपुर द्वितीय तथा लॉरेंस स्कूल सोलन तृतीय रहे। संयोजक रश्मीश सिंह सपेइया।

Jammu-Kashmir : Organized State Level NGSC at Govt. Women College, Parade, Jammu.

ShriPurshotamDadheechi, PrantKaryavah, RSS J & K was the chief guest &ShriArun Gupta, Director U4U voice, Chairman I.P.O. & State spokesman BJP was the guest of honour on the occasion. 12 teams from different parts of the state participated and gave about 24 colorful presentations. Prof RenuGoswami college principal spoke on the relevance of promoting patriotism through the patriotic songs. JK Public School, Kunjwani 1st, K.C. Gurukul School, Paloura 2nd, 3rd Delhi Public School Jammu. The team which stood 1st shall represent the state at the National Level Programme which is going to be held on 20-21 Dec. 2015 at Gwalior.

Jammu East : Branch conducted NGSC in the premises of BalNiketan, VedMandirAmbehalla, Jammu.Five teams participated in Hindi and three teams in Sanskrit category. In Hindi category, JK Public school, Panjtirthi bagged first position whereas S.M. Jain Hr. Sec. school and Delhi Public shared the 2nd and 3rd position respectively, In Sanskrit category, Delhi Public School was adjudged 1st whereas 2nd and 3rd position was bagged by BhartiyaVidyaMandir and S.M.Jain Hr. Sec. School, Jammu. But in the overall competition Delhi Public School was adjudged 1st and qualified for state level competition.

Jammu West : Branch organized (NGSC) at K.C.Gurukul, Palloura, Jammu wherein four teams participated:-

1) Vimal Public School 2) Spring Blossom Public School 3) K.C.International School 4) K.C. Gurukul School. The program was chaired by ShriArvindMahajan, Chairman K.C,GuruKul society/ school whereas Madam Vijay Puri Administrator of K.C. Gurukul was guest of Honour. The programme was conducted by ShriArun Sharma Chairman NGSC. Experts/Judges of programme were Prof. JasmeetKour and Miss Amarjot on whose assessment,K.C.Gurukul bagged 1st position, whereas 2nd& 3rd position went to K.C. international and Spring Blossoms Public School respectively.

अपनी तरफ से कुछ ऐसा करो जो दूसरों को कष्ट न दे। हमेशा दूसरों को सहयोग देने की भावना रखें। माँ की शिक्षा। सबके प्रति विनम्रता रखो। आत्म सम्मान बनाए रखो। जो कमाओ उसमें से कुछ बचाओ। कुछ अंश सेवा कार्य में लगाओ। पिता का निर्देश। शिक्षा पूरी की कलकता में, वकालत का मेरा उद्देश्य है लोगों को न्याय दिलाना। मुकदमे में देरी न्याय के लिए अनावश्यक बिलम्ब के प्रति चिन्तित रहते हैं। परिषद् के पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल श्री नन्दलाल सिंघनिया। एक दूसरे को न समझ पाना आधुनिक शिक्षा के कुप्रभाव बच्चों को अच्छे संस्कार न दे पाना एक गम्भीर समस्या है। परिवार में पुत्री सुनीता, पुत्र वधू कल्पना वकालत के प्रति झुकाव रखती है। प्रेम चन्द्र और गुरुदत्त तथा मैथिलीशरण गुप्त के प्रति उत्सुकता का भाव रखने वाले श्री नन्दलाल सिंघानिया मानते हैं कि राजनीति से ही समाज का सुधार किया जा सकता है।

–सम्पादकीय प्रस्तुति।

Chhatwal, Punjab North : Branch organised Branch Level NGSC at Him Shikha School Mamoon on 8th October 2015 and 10 teams participated. Sh. SatishMahindru Govt. Contractor and past Governor Lions Club was Chief Guest and Sh.LalitMahajan presided over the function. A.B school Mamoon, Army Public School MamunCantt and A&M School Mamoon got first, second and third position respectively in NGSC (Hindi). A.B School Mamoon, Army Public School Mam Cantt and D.A.V School Mission Road got first, second and third position respectively in NSGSC. A.B School got overall First Position and selected for state level NGSC.

Samarpan Jalandhar : On 7th October Shakha arranged NGSC programme in Lions Bhawan in which six Hindi and six Sanskrit teams participated. A team of KGS Public school was declared first, which participated in state level function on 11th October 2015.

Ludhiana : NGSC was celebrated at ViklangSahayataKendre,RishiNagar,Ludhiana under the President ship of MrsArunaPuri,District Secretary,BVP. More than 70 members of the branch as well as of the others branches ,students of computer school and sewing school of BVP, being run in ViklangSahayataKendre, Rishi Nagar,Ludhiana participated/attended the function. Team of B.V.M.KitchluNagar,Ludhiana declared as first by the Judges. The team stood first also attended the State Laval National Group Song Competition

at Jalandhar on 11.10.2015.

Jaitu, Punjab South : Branch organised the NGSC on 8th oct.2015 at Shivalik School Jaitu. Total 3 teams participated in the competition. Shivalik School begged the first position. Prize was given to the winner team. Jaitu Branch participated in the State level NGSC held at Mansa.

Delhi South : BharatVikasParishad, Delhi South activated all its branches for the competition at the branch level. 20 teams in Hindi and 18 teams in Sanskriti participated. The competition of NGSC was held at Balwant Ray Mehta VidyaBhawan, G.K. 2, N.Delhi on 14th November. Winning team from 6 schools participated both in Hindi and Sanskrit. The competitions were judged by three renowned Judges. Winning teams were given meritorious positions, and given trophies and participation Certificates. Winners were. 1stVenkateshwar International School (Dwarka Branch).2nd S.S. Mota Sing Sr. Secondary School (Janakpuri A Branch). 3rd Kalka Public School, Alaknanda (Branch)

Vaishali- Vasundhara , Western U.P. : Branch hosted 'RashtriyaSamoohganPratiyogita'of Western UP Prant on 1st Nov 2015 at Indraprastha Engineering College, Sahibabad. 14 Teams from distant places participated. The function inaugurated by the august presence of Sh. SurienderKumar Wadhwa& Sh. Harish Jindal. Sarla Chopra DAV School NOIDA bagged 1st Prize whereas DAV, Sahibabad won 2nd position.

Rajahmundry, Andhra Pradesh : Branch conducted NGSC on 30-10-2015 many corporate and municipal schools and colleges students participated. Nearly 200 plus children performed in this event. Zonal Secretary B.AvinandaRaoInagurated the competitions. Chief Guest, ONGC organization, will support in all work of BVP Health and other service programme, the aksharasreeVidyaNiketan School children team got 1st prize in Sanskrit /old Hindi Catogiries.

Telangana : Prant has successfully organized NGSC-2015 on Sunday,15th November at Keshav Memorial Vidyalaya, Hyderabad. More than 200 students from 25 Schools representing 10 Branches of Telangana have participated in the event. The Chief of Ramakrishna Math, Hyderabad Swami Jnanadananda has inaugurated the function and had blessed the children on the occasion. Aurobindo International School, Nallakunta from KeshavaBranch of Hyderabad won the First Prize in Hindi/Sanskrit category and they will represent TelanganaPrant at National Level NGSC.Chinmaya School of Hyderabad from Vivekananda Branch won the First Prize in Regional (Telugu) category and BV Bhavan's Public School; Jubilee Hills of Hyderabad from Vivekananda Branch were the winners in Folk Song category.

स्वाभिमान

कांपते हाथों से सुई में धागा डाल रही थी। कभी सुई हिल जाती, कभी धागा मुड़ जाता। दादी को परेशान देखकर पोते ने कहा–दादी मैं धागा डाल देता हूँ। पोते के गाल थपथपाते हुए दादी ने कहा बेटा! यह औरतों का काम है। ठीक है मै। मम्मी को बुलाकर लाता हूँ। पोते ने कहा। बहू का नाम सुनते ही सुई हाथ से छूट गई। चश्मे के शीशे पर आँसूओं की बूँदे तैर गई। थोड़ा संभलकर दृढ़ता से बोली–नहीं रहने दें कुछ और कोशिश करूँगी तो धागा डल जायेगा।

Warangal : Branch Conducted NGSC on Sep 22 at Vishnu Priya Gardens wherein Sri B.S. Jag Jeev anKunarji, Judge, Labour Court, Warangal was the Chief Guest and State Vice President G Rajaiahji was Guest of Honour. 8 Schools with 120 Students Participated in the aforesaid event. President B N Reddy and other dignitaries of BVP was Present.

Vyasa, Tamilnadu : Organized NGSC on the 3rd October. Four schools participated. DAV Public School Velachery secured first position in Hindi and Tamil Patriotic Songs. DAV Adambakkam secured first position in Sanskrit and Tamil Folk songs. All performances of the participating schools went off very well. Three Judges evaluated each performance critically and came to unanimous conclusions about the winning groups.

धारणीय विकास, पर्यावरण एवं मानवीय मूल्य

पर्यावरण (परि्+आवरण) वास्तव में ''परितः आवृणोतीति'' अर्थात् वह सब जो हमारे चारो ओर के आवृत्त में है और जिसके द्वारा यह भौतिक जगत घिरा रहता है, पर्यावरण है। अभिप्राय यह कि पृथ्वी पर स्थित सभी चराचर, जड़-चेतन पर्यावरण के अंग है। इन तत्वो में जब असंतुलन होता है तब मानव सभ्यता संकट में आ जाती है। विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके फलस्वरूप अत्यधिक प्राकृतिक संसाधनों का दोहन व अन्य मानव प्रदत्त कार्यो ने प्रकृति का सन्तुलन विषम कर दिया है। भौतिकवादी, भोगवादी संस्कृति ने धन पीपासा बढ़ाकर मानव को कर्त्तव्य-च्युत कर दिया है। अतः विकास प्रक्रिया कहीं विनाश प्रक्रिया बन गई है। इस विनाश को रोकने हेतु आज समाज को आवश्यकता है धारणीय व सतत् विकास की जिससे पर्यावरण-असन्तुलन न्यूनतम् हो और विकास प्रक्रिया भी बनी रहें। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी सम्भव है जब हम पर्यावरण के मूल्यों को मानवीय-मूल्यों के साथ जोड़कर देखें। भारतीय धर्म ग्रन्थों से स्पष्ट होता है कि पर्यावरण (प्रकृति) देव स्वरूप ही है। इन्हीं ग्रन्थों में 'मूल्य' के लिए 'शील' शब्द का अनेक स्थानों पर प्रयोग किया गया है। वास्तव में जिस प्रकार पर्यावरण के प्राण-पोषक अंग जल, वन, पशु-पक्षी, नक्षत्र, सूर्य-चन्द्रमा, वायु है और जिनसे पृथ्वी का श्रृंगार व सम्पूर्ण मानव जाति का अभ्युदय है, उसी प्रकार शील मानव के सर्वत्र भूषण का कार्य करता हैं। जहाँ एक ओर मूल्य नैतिक शिक्षा की एक ऐसी संहिता है जिसको मानव, आधार बनाकर अपनी जीवन शैली का निर्धारण करता है, वहीं 'मानवीय मूल्य' सदाचरणों या सद्गुणो का समूह है, जिससे मानव से मानवता परिलक्षित होती है। इसलिए मानवीय मूल्यों में हमारे भौतिक, वैयक्तिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक मूल्य समाहित है। किसी भी व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए मानवीय-मूल्यों का अत्यधिक महत्व है। जिससे सांस्कृतिक विरासत अक्षुण्ण रह सके।

पर्यावरण असन्तुलन वास्तव में इन्हीं मानवीय मूल्यों का ह्रास है। यह मानव-कृत असन्तुलन, मानव द्वारा ही संशोधित किया जा सकता है। आवश्यकता है मानव का पर्यावरण संरक्षण, संतुलन एवं सतत् विकास हेतु सभ्य और सुसंस्कृत बनना। औद्योगिकरण के इस युग में मानवीय मूल्य तथा पर्यावरण के प्रति संवेदना कहीं खो गई है और कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियाँ सिसकियाँ ले रही हैं:

मुनि-रक्षक-सम करो विपीन में वास तुम
मेरो तप के विघ्न और सब त्रास तुम।
हरी भूमि का भार भाग्य से लभ्य तुम
करो आर्य-सम वन्यचरों को सभ्य तुम॥

पर्यावरण प्रदूषण को सीमित करने के लिए आचार-विचार, आहार, संस्कार और सेवा पर विशेष ध्यान देना हो जिससे आने वाली पीढ़ी को हम पृथ्वी वैसे ही संसाधन युक्त दे सकें जिस प्रकार हमें मिली थी। यह ज्ञात रहे कि ''यह पृथ्वी में, हमारे बच्चों से उधार में मिली है और इसे बचाकर/बनाकर रखना हम मानव का परम कत्ताव्य है।''

यदि हम भारतीय मनीषियों व धर्म-शास्त्रों को समझें तो पाएँगे कि यद्यपि मानव की संख्या पूर्व-काल में आज की अपेक्षा कम थी फिर भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति वह कितने सजग थे।

मनुस्मृति कहती है कि -
सीमावृक्षांश्च कुर्वीत न्यग्रोधाश्चत्थकिंशुकान्।
शल्मलीन्सालतांश्च क्षीरिणश्चैव पादापान्॥

अर्थात् गाँव की सीमा पर तालाब या कुँआ अथवा जल संरक्षण की कोई व्यवस्था अवश्य बनवाना चाहिए। साथ ही वट, पीपल, ढाक, सेमल, ताल एवं दूध वाले वृक्षों को भी लगाना चाहिए। वर्तमान में इतनी अधिक संख्या में होने के बाद भी मानवीय संवेदनाएँ पृथ्वी माता के लिए कहीं नष्ट हो गई है। हमारी सहिष्णुता नष्ट हो चुकी है। कहीं अंदर व्याप्त असुर-प्रवृत्ति जागृत है जिससे मानव स्वयं अपना शत्रु बन गया है।

प्रकृति पूजा, यज्ञ और वनस्पतियों द्वारा वायुशोधन, जलशोधन, अग्निहोत्र द्वारा पर्यावरण-शोध इत्यादि लगभग प्रकृति के सभी अव्यवयों के शोधन का वर्णन वेद में अनेक स्थानों पर मिलता है। वास्तव में हम पूरे पर्यावरण, पृथ्वी, मनुष्य-जाति व ब्रह्माण्ड के संरक्षण व शान्ति की बात करते हैं:

ऊँ द्यौ शान्तिरन्तरिक्षः शान्तिः पथ्वी
शान्तिरापः शान्तिः रोषधयः शान्तिः।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः
शान्तिब्रह्मा शान्तिः सर्वः शान्तिः
शान्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि॥
उँ शान्तिः शन्तिः शान्तिः ऊँ

पर्यावरण-सुरक्षा के समक्ष खड़ा यक्ष-प्रश्न तब तक अनुत्तरित रहेगा जब तक मानवीय भावना जन-जन को आन्दोलित नहीं करेंगी। हमें अपने धर्मशास्त्र, पुरण, वैदिक अथवा लौकिक साहित्य सभी में निरन्तर सावधान करने वाले पर्यावरण के निर्देशों का पालन करना होगा। विकास तभी माना जाएगा जब सारे समाज की उसमें सहभागिता हो, संवेदना हो अन्यथा, 'कामायनी' में लिखा सत्य,सत्य हो जाएगा। अपने में सब कुछ भर कैसे व्यक्ति विकास करेगा, यह एकांत स्वार्थ भीषण है अपना नाश करेगा।

-**डॉ. कविता शाह**, प्रोफेसर, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

विविध गतिविधियाँ

पंजाब दक्षिण

कोटकपुरा : शाखा ने मनाया करवा चौथ। करवा चौथ का त्यौहार मातृशक्ति का प्रतीक माना जाता है। परिषद् के सदस्याएँ संचार माध्यमों पर इस पर्व के बारे में विविधतापूर्ण टिप्पणियाँ प्रेषित करते हैं। अनेक शाखाओं में सामूहिक रूप से इस पर्व को मनाने की प्रथा भारत विकास परिषद् की देन है।

इस कड़ी में पंजाब की कोटकपुरा शाखा ने बड़े उत्साह से आयोजित किया। करवा माता की पूजा, पर्व का इतिहास, मनोरंजन के खेल, क्विज आयोजित किये गये। कार्यक्रम के लिए नीरू, निशा, ज्योति, महक, संगीता, सुनसना, श्वेता, मंजू आदि ने विशेष सहयोग किया। जिला प्रधान राजकुमार गर्ग, राष्ट्रीय संयोजक जयपाल गर्ग उपस्थित रहे। संस्कृति सप्ताह में तुलसी पौधों का वितरण किया गया। समारोह में बीबी परमजीत कौर ने देश में बढ़ती यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त की। सरदार मोहन सिंह मता ने बच्चों को अच्छे संस्कार देने पर जोर दिया।

अबोहर : निर्धन बच्चों के मध्य दीपावली मनाई गई। बच्चें ने अतिशबाजी की, मिठाईयों का स्वाद लिया। आनन्दमय महिला सिलाई केन्द्र की 42 महिलाओं को प्रमाण पत्र दिये गये। महिलाओं को एच.एस. सिंह द्वारा सिलाई मशीन दी गई। (सचिव कमल खुराना।)

पंजाब उत्तर

टैगोर लुधियान : सामूहिक सरल विवाह में 5 गरीब कन्याओं का विवाह सम्पन्न हुआ। सभी घरेलू सामग्री प्रदान की गई। दुर्गाष्टमी के अवसर पर कन्या भोज का आयोजन किया गया। झोपडपट्टी में रहने वाले परिवारों को गरम कपड़े बांटे गये। बस्ती फील्डगंज में 500 मरीजों का परीक्षण किया गया।

जालंधर समर्पण तथा अरबन स्टेट : सामूहिक सरल विवाह के आयोजन में 91 जोड़ों की शादी सम्पन्न की गई। इस अवसर पर गीता मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट का विशेष योगदान रहा। परिवार हेतु आवश्यक सामग्री सभी नव विवाहित जोड़ों को भेंट की गई। ओलिम्पिक खिलाड़ी परगट सिंह मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की प्रसंशा की। गीता मंदिर के पदाधिकारी तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सहयोग किया।

लुधियाना : देवकी देवी जैन महिला विद्यालय में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 8 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। 15 प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित किया गया। 350 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

राजस्थान मध्य

राजसमंद : राजसमन्द में पटेल पर गोष्ठी का आयोजन। सरदार पटेल की 140वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। श्री कुलदीप चन्द दाधीच ने राष्ट्र निर्माण के रूप में देश की सभी रियासतों को एक सूत्र में जोड़ने का अभूतपूर्व प्रयास किया। पटेल देश के प्रथम गृह मंत्री रहे। उनकी त्वरित निर्णय की क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा के कारण उन्हें लौहपुरुष का सम्मान प्राप्त हुआ। गोष्ठी में अध्यक्ष ओम प्रकाश मैत्री, सतीश तापड़िया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सोफिया पब्लिक स्कूल में अध्यापक सलीम खान, सुरेश चौधरी, वरूण टांक, चन्द्रशेखर का सम्मान किया गया। मेधावी छात्रों में आरिफ, लविना, हिमांशु, यशस्वी, रितेश गुर्जर को प्रशस्ति पत्र दिये गये। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर गोष्ठी में कुशलेन्द्र दधिची ने बताया कि 335 वर्ष पूर्व हिन्दू संस्कृति की रक्षा के लिए गुरु जी ने बलिदान दिया था। उनका ध्येय था कि शीश कटता है हो कट जाने दो लेकिन संस्कृति, स्वाभिमान और मानवता पर आंच न आने दो।

सुभाष-भीलवाड़ा : महिला सशक्तिकरण जागरूकता

कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने भागीदारी की। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन महेश पब्लिक स्कूल में सम्पन्न हुआ। संयुक्त रूप से चारों शाखाओं ने 3 दिवसीय गरबा नृत्य का आयोजन किया। समूहगान प्रतियोगिता में निम्बार्क आश्रम के महन्त मोहन शरण शास्त्री का सान्निध्य रहा। भारत को जानो प्रश्न मंच में कनिष्ठ वर्ग में न्यू सेन्ट्रल स्कूल की टीम विजेता रही। वरिष्ठ वर्ग में महेश पब्लिक स्कूल प्रथम रहा।

अजमेर : संगीत में गायिकी की कार्यशाला अंकुर एकेडमी द्वारा सम्पन्न हुई। गायिका रोनिता डे ने गायकी के गुर बताए। प्रशिक्षक सोनू ने कार्यशाला का संचालन किया।

कुवारिया-भीलवाड़ा : शाखा द्वारा शीतल शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए जल मंदिर का निर्माण किया गया। कुवारिया मेले में इसका उपयोग क्षेत्रवासियों ने किया। जिला कलेक्टर ने परिषद् को सम्मानित किया। 41 तुलसी के पौधे वितरित किये गये। भारत को जानो प्रश्न मंच में 7 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

राजस्थान पूर्व

ग्राम धारता, तहसील भिंडर में चौपाल पर बावड़ी तथा कूपों में जल संरक्षण गोष्ठी में डॉ. पी.सी.जैन ने ककरोली ग्राम में कुएँ के रिचार्ज कराने का दृश्य प्रदर्शन किया। आस्ट्रेलिया के डॉ. बी.एम. माहेश्वरी ने आन्ध्र प्रदेश में भू-जल सहभागिता की प्रशंसा कीं वहाँ जल संरक्षण एवं रिचार्जिंग के द्वारा किसानों को पर्याप्त जल प्राप्त हो रहा है। डॉ. हकीमुद्दीन ने सीमित जल को बचाने पर जोर दिया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ओ

ईश्वर भेजता धरती पर, मात्र एक इन्सान।
बेटा हो या बेटी हो, सब है एक समान।।
ईश्वर का प्रसाद मानकर, दोनों को समझे समान।
नहीं करे कोई भेदभाव, हर बच्चे में है भगवान।।
राखी भाईदूज नवरात्रि, बेटी बिन सूना है हर त्यौहार।
बेटी को भी आने दे जग में, दे उसे भी स्नेह प्यार।।
बेटी को भी दे हम, उच्च शिक्षा का अनमोल गहना।
बेटी बचओ बेटी पढ़ाओ, संकल्प बस इतना करना।।
दादी नानी माँ मौसी हो, या फिर ताई चाची भाभी दीदी।
हर महिला हमारे परिवार की है, अपने माता पिता की बेटी।।
लक्ष्मी दुर्गा पार्वती सरस्वती, सब देवियों की पूजा हम सब करते।
बेटी मिलती सौभाग्य से काश, हम यह भी स्वीकारते।।

-**दिलीप भाटिया**, रावतभाटा (राजस्थान)

करौली : विवेकानन्द पार्क में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिट्टी कचरा हटाकर पार्क को सुसज्जित किया गया। जिलाध्यक्ष पार्षद राधेश्याम गुप्ता तथा शाखा सदस्यों ने भाग लिया।

राजस्थान दक्षिण

उदयपुर : दीपावली मिलन पर सांस्कृतिक समारोह सम्पन्न हुआ। रिया अग्रवाल, अनुप्रिया, मीरा शर्मा, पुष्पा वाहिडया, झलक पालीवाल, शिवानी तिवाड़ी, सिया माहेश्वरी, सृष्टि शर्मा, पार्थ शर्मा, आशालता द्वारा नृत्य, गीत की प्रस्तुति की गई। सभी को पुरस्कार दिया गया। डॉ. एस.एल.मेनारिया को शिक्षा रत्न सम्मान दिया गया।

भामाशाह-उदयपुर : राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता ने शाखा प्रवास में वृक्षारोपण करते हुए कहा कि ऑक्सीजन की बढ़ती आवश्यकता के लिये पौधारोपण आवश्यक है। शाखा अध्यक्ष इंजीनियर वाई.के. बोलिया, यशवंत सोमानी ने व्यवस्था सम्भाली। राष्ट्रीय उपचेयरमैन डॉ. मदन गोपाल वार्ष्णेय, डॉ. जयराज आचार्य ने सहभागिता की।

प्रताप-उदयपुर : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस मनाया गया। मुस्लिम शासक ने धर्म परिवर्तन के लिए गुरु जी को प्रलोभन दिया फिर दमकी दी और अन्त में उनका शीश मांग लिया। लेकिन गुरु जी धर्म से नहीं डिगे। प्रकल्प प्रभारी ने प्रश्नोत्तरी आयोजित की जिसमें गुरजीत सिंह ऐशवीन और गशरिन कौर विजयी रहे। प्रधानाचार्य एस.एस. विग ने बच्चों को पुरस्कृत किया।

मेवाड़-उदयपुर : शाखा ने निर्धन बच्चों के मध्य दीवाली मनाई। आलोक शिक्षण संस्थान में डॉ. प्रदीप कुमावत, अशोक टांक ने भाग लिया। शरद ऋतु में डाडिया रास का आयोजन हुआ। महिलाओं एवं बच्चों ने देर रात तक डाडिया खेला और पुरस्कार पाये। विकलांगाजनों को सामूहिक भोज कराया गया। आशा धाम संस्था में अनाथ बच्चों को स्नेह भोज कराया।

राजस्थान पश्चिम

बाड़मेर : 4 विद्यालयों में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। 16 छात्र छात्राओं को लाभ प्राप्त हो रहा है। भारत को जानो 12 विद्यालयों में लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई। कुल 155 बच्चों ने भाग लिया। 300 रोगियों की जांच की गई। 150 मरीजों को नेचुरोपैथी चिकित्सा हुई। ई.एन.टी. शिविर में मरीजों की जांच की गई। संस्कार भारती के सहयोग से रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 350 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में संस्कार भारती

के मुकेश व्यास उपस्थित रहे। (सचिव चन्द्र प्रकाश गुप्ता।)

जालौर : शाखा द्वारा भारत को जानो में 875 छात्रों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। अध्यक्ष, सचिव के साथ सदस्यों ने सहयोग किया। राष्ट्रीय समूहगान में न्यायिक मैजिस्ट्रेट मनीष अग्रवाल अतिथि रहे। पुलिस उपाधीक्षक शैतान सिंह विशिष्ट अतिथि थे। विजेताओं को नागरिक सहकारी बैंक जालौर की ओर से पुरस्कार दिये गये। शाखा ने शिक्षक दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित की। प्रधानाचार्य मुकेश सोलंकी ने संचालन किया। जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कार्यक्रम को उपयोगी बताया।

राजस्थान दक्षिण पूर्व

कापरेन : संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत चेतना रैली, थाल सजाओ, संगीतमय सुन्दरकांड, रंगोली, मेंहदी, समूहगान, राजस्थानी वेष भूषा, लोक नृत्य, भारत को जानो, हेलो नहीं वन्दे मातरम् कहो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शाखा अध्यक्ष प्रभुलाल नागर, सत्यनारायण गौतम उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण में भा.वि.प. चिकित्सालय कोटा के अध्यक्ष श्याम शर्मा तथा प्रान्तीय अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सूर्य प्रकाश जी, ललित टेलर ने सम्पन्न किया।

शिवाजी कोटा : संस्कार यज्ञ से प्रारम्भ हुए संस्कृति सप्ताह में मेडिकल कैम्प में डायबिटीज जांच की गई तथा परामर्श और दवा वितरण की गई। प्रौढ़ साधना शिविर में प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद् चिकित्सालय में झण्डारोहण में सदस्यों ने भागीदारी की। आर्ट ऑफ लिविंग की भजन संध्या तथा बाल संस्कार शिविर का आयोजन सम्पन्न किया गया। बच्चों को स्टेशनरी वितरण किया गया। (सचिव सुधा रानी शर्मा।)

कोटा विवेकानन्द : शाखा द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 70 स्वेटर रथ काकरां गाँव में बांटे गये। (अध्यक्ष राधेश्याम खण्डेलवाल।)

राजस्थान उत्तर

नागौर : संस्कृति सप्ताह में परिवार संस्कार प्रबोधन में मा० नन्दलाल जी का प्रेरक उद्बोधन हुआ। उन्होंने संस्कार मूल्य शिक्षा के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रेम विश्वास और समर्पण ही परिवार का आधार है। अच्छे इंसान बनना, संस्कार भाव देना परिवार में ही सम्भव है। सामूहिक रूप से भोजन, भजन संध्या करने का आग्रह भी किया गया। भजन गायक दिनेश माली ने भजन की प्रस्तुति की। अमर सिंह जी तथा रूद्र कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

प्रताप श्रीगंगानगर : वनवासी सहायता के अन्तर्गत रुपये 21000/- केन्द्र को प्रेषित की गई। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर 22 अध्यापक व 585 विद्यार्थियों ने भाग लिया। रक्तदान शिविर में 23 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। स्थायी प्रकल्प 3 स्थानों पर जल मंदिर तथा एक रोगी सेवा केन्द्र संचालित है।

मध्य भारत उत्तर

तानेसन-ग्वालियर : शाखा द्वारा सप्ताह के अन्तर्गत फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता हुई। धार्मिक वेष भूषा में 40 बच्चों ने भाग लिया। ममता शर्मा राजकीय कन्या विद्यालय ग्वालियर उपस्थित रहीं। साई मंदिर में दीपयज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें भारती, अंजू, अर्चना, मीना, सुशीला, नीलम ने उत्साह से भाग लिया। चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता में डॉ. अब्दुल कलाम का चित्र बनाने की प्रतियोगिता रही। संयोजिका अंजना गर्ग थी। वृद्धाश्रम में मिठाई बांटी गई। सदस्यों द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये। समूहगान में ग्रीन वुड स्कूल ने प्रथम स्थान पाया। लोकगीत में एयरफोर्स स्कूल नं. 1 प्रथम रहा। संचालन अन्जू भार्गव अर्चना मिश्रा ने किया।

शिवाजी ग्वालियर : गुरु वन्दन कार्यक्रम को शासकीय उत्कृष्ट सी.सै.स्कूल मुरार में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल कलेक्टर तथा चेम्बर ऑफ कमर्स के सचिव विजय गोयल उपस्थित रहे। 25 स्कूलों के 65 गुरुजनों तथा 50 छात्रों को सम्मानित किया गया। शाखा अध्यक्ष संजय धवन के साथ सदस्यों ने भरपूर सहयोग किया।

डबरा : शाखा में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। डॉ. हेमन्त जोशी ने गुरु शिष्य की परम्परा पर उद्बोधन दिया। अन्नकूट तथा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता इकबाल तथा योग गुरु ब्रह्मस्वरूप जी रहे। वनखण्डेश्वर स्कूल की टीम प्रान्तीय भारत को जानो के लिए चुनी गई। अरुण डागा ने संगठन के लिए एकजुटता एवं समय प्रबन्धन का आह्वान किया।

वीर तात्याटापे शिवपुरी : शाखा द्वारा छात्रावास में बालिकाओं को स्वास्थ्य की जानकारी दी गई। जनजाति बालिका छात्रावास में आयोजन हुआ। शाखा उत्सव में भजन, ईश प्रस्तुति नृत्य कर सदस्यों ने उत्सव मनाया।

प्रयाग

प्रान्तीय समूहगान प्रतियोगिता में सांसद श्यामा चरण गुप्ता ने बच्चों को देशभक्ति के गीतों के लिए प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में शाहगंज सुलतानपुर प्रथम, प्रयाग कल्याणी द्वितीय तथा शिव कुटी विद्यालय तृतीय स्थान पर रहे। प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव रत्न भार्गव,

संरक्षक श्याम सुन्दर अग्रवाल ने व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया।

स्वर्णिम-इलाहाबाद : मानसिक विकलांग ग्रस्त ममता विद्यालय में बच्चों को भोजन, फल तथा मिठाई बांटी गई। सुषमा श्रीवास्तव, विकलांग एवं वनवासी सहायता प्रभारी।

रुहेलखण्ड

विवेकानन्द, मुरादाबाद : शाखा ने दिसम्बर माह 2015 में सरस्वती शिशु मन्दिर, लाजपत नगर में 84 निर्धन छात्र एवं छात्राओं को लाल व नीले रंग के स्वेटर का वितरण किया एवं सरस्वती शिशु मंदिर गोविन्द नगर में 25 शैट (स्वेटर, जूते, जुराब, पैंट व शर्ट) आदि का वितरण किया जिसमें शाखा के सभी सदस्यों ने उत्साहित होकर अपना योगदान दिया। (सचिव संदीप गुप्ता)

ब्रह्मावर्त

कानपुर सेन्ट्रल : बच्चों की निबन्ध प्रतियोगिता में स्वच्छता विषय पर लेख प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। सरसैय्या घाट पर महाआरती का आयोजन हुआ। स्थानीय हॉस्पिटल में दूध, फल, ब्रेड, बिस्कुट बांटे गये। वृक्षारोपण में नगर निगम बालिका स्कूल में 50 पेड़ लगाये गये। (सचिव दिलीप चन्दानी।)

किदवई नगर-कानपुर : जुहारी देवी परास्नातक कॉलेज में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर डॉ. आशा त्रिपाठी ने डॉ. राधाा कृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। हिन्दी तथा संस्कृत की मेधावी छात्राओं का अभिनन्दन किया गया। अध्यक्ष श्री राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा संस्कृत सर्वश्रेष्ठ और वैज्ञानिक भाषा है। इस अवसर पर डॉ. पुनीता द्विवेदी, डॉ. अलका राय, डॉ. चांदनी सक्सैना, डॉ. शालिनी अग्रवाल को सम्मानित किया गया। बाल संस्कार केन्द्र तथा अन्य विद्यालयों में गर्म स्वेटर वितरण किये। श्री अनिल श्रीवास्तव, प्रबन्धक एच.डी.एफ.सी. बैंक की पुत्री की स्मृति में किया गया। (सचिव श्री प्रकाश डिडवानिया।)

मुख्य इटावा : संस्कृति सप्ताह में चित्रकला, वाद विवाद, अन्ताक्षरी, क्विज, संस्कृत श्लोक, विज्ञान प्रदर्शनी तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी कार्यक्रम में 17 विद्यालयों के 1013 प्रतिभागियों ने भाग लिया। गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में 17 प्रधानाचार्यों तथा 30 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

ब्रज प्रदेश

मयूरी-अलीगढ़ : नारी तेरे रूप अनेक कार्यक्रम में देवी के 9 रूपों पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इस शीर्षक पर प्रस्तुत कविता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अध्यक्ष पूनम गुप्ता, रश्मि सुहृद, शिवानी, अंजली, लता, उमा, अनीता, भूमि, कविता, मोहिनी, नेहा, चित्रा आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में किरन वेदी मुख्य अतिथि थीं। भारत को जानो में वरिष्ठ वर्ग में आशीष-रिशांक सोलंकी तथा कनिष्ठ वर्ग में यश-अधम्य ने प्रथम स्थान किए। समूहगान में विजडम स्कूल की टीम प्रथम रही।

डिबाई नि:स्वार्थ : शाखा द्वारा बाल दिवस मनाया गया। समूहगान, जाजू शो, गीत आदि प्रस्तुत किये गये। नि:शुल्क सिलाई, कढ़ाई केन्द्र का उद्घाटन हुआ। दो सिलाई मशीन तथा 1100/- की राशि हरीश लोधी द्वारा प्रदान की गई। प्रान्तीय तथा शाखा पदाधिकारी उपस्थित रहे। सचिव प्रशान्त कृष्ण गर्ग व महिला प्रभारी अनुराधा चौधरी।

संस्कार आगरा : दीपावली का रंगा रंग आयोजन सम्पन्न हुआ। बच्चों ने रामायण के पात्रों का स्वरूप बनाकर आयोजन को मोहक बना दिया। इसमें रामायण संवाद, रंगोली, आटे कढ़ी पाक प्रतियोगिता हुई। नाट्य प्रस्तुति मीरा, ममता, दिव्या द्वारा की गई। सीमा, वन्दना, दिव्या, दीपा, निमीषा, निहारिका, उर्मिला ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

संकल्प आगरा : भारत को जानो प्रतियोगिता कम्पयूटर आधारित व्यवस्था से किया गया। 6 विद्यालयों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में सक्षम गौड़-प्रियांशु तोमर तथा कनिष्ठ वर्ग में उज्ज्वल और ऋषभ सिसौंदिया प्रथम रहे।

हस्तिनापुर

योग-मेरठ : संस्कृति सप्ताह में कुष्ठाश्रम में भोजन तथा दवाईयाँ दी गई। सरकारी स्कूल में स्टेशनरी का वितरण किया गया। गोपाल गऊशाला में चारे का वितरण हुआ। बच्चों की मेंहदी, थाल सजाओ प्रतियोगिता हुई। गुरु वन्दन में 15 छात्रों तथा अध्यापकों को सम्मानित किया गया। (अध्यक्ष-अशोक कुमार गुप्ता।)

विवेक मुजफ्फरनगर : तुलसी पौधा वितरण नगरपालिका अध्यक्ष कपिलदेव अग्रवाल के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। साधना तायल, सपना गर्ग ने भजन गाये। ठाकुर जी को सजाओ प्रतियोगिता में महिलाएं अपने घर से प्रमिता सजाकर लाई। ठाकुर जी को माखन मिश्री का भोग लगाया गया। गाँधी जयन्ती पर स्टेशनरी वितरण कार्य सम्पन्न हुआ। निबन्ध प्रतियोगिता में 450 छात्रों ने भाग लिया। स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत छात्राओं ने सफाई की। शाखा द्वारा 26 शिक्षक तथा 28 छात्रों को सम्मानित किया गया। नृत्य नाटिका में तीजोत्सव आदि की प्रस्तुतियाँ की। नवरात्रि समारोह मनाया गया।

समृद्धि मुजफ्फरनगर : पर्यावरण एवं जल संरक्षण गोष्ठी

का आयोजन शुक्रताल पर किया गया। इसमें पोस्टर, स्लोगन तथा भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। श्रीमती इन्दु मिश्रा ने कहा कि आधुनिकता की होड़ में हम पेड़ काट रहे हैं। पोलिथिन का दुष्प्रभाव, पेयजल की कमी प्रदूषित जल हमारे लिए गम्भीर चुनौतियाँ हैं। इनके प्रति जागरूकता आवश्यक है।

संकल्प मुजफ्फरनगर : गौ सेवा का आयोजन, चारा व्यवस्था, गौ माता की चिकित्सा जांच आदि सम्पन्न की गई। 3 वर्ष से निरन्तर चलने वाली गौ सेवा के लिए गौशाला निर्माण हेतु 13 लाख रुपये एकत्र हुए हैं। ब्लड शुगर की जांच सस्ते दर पर की जाती है। ठंडे पानी का प्याऊ। कम्बल वितरण, गर्म वस्त्र बांटे गये।

मेरठ मेन : सत्यकाम आश्रम में बच्चों के साथ अच्छे स्वास्थ्य तथा भविष्य के लिए यज्ञ किया। सामूहिक योग शिविर राधा गार्डेन में सम्पन्न किया। पूर्व अध्यक्ष सुरेश शर्मा, समीर अग्रवाल उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ द्वारा थाली सजाओ में सुधा गुप्ता, दीप सज्जा में नम्रता अग्रवाल तथा करवा चौथ रानी

का खिताब जूही अग्रवाल ने प्राप्त किया। 3 कन्याओं का सरल विवाह राधा गोविन्द मंडप में सम्पन्न हुआ। सदस्यों ने गृहस्थी के लिए उपयोगी सामग्री जैसे सिलाई मशीन, पंखा, गैस, टी.वी., बर्तन, बेड आदि प्रदान किये। आयुष्मती रूचि, ऋतु तथा रजनी वधू का पाणिग्रहण सम्पन्न हुआ। विवाह में सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, लक्ष्मी कान्त बाजपेयी महापौर हरिकान्त अहूवालिया ने आशीर्वाद दिया। श्रीमती प्रीति, तृप्ति, मोनिका ने विवाह कार्यक्रम को सम्पन्न कराया। (सचिव सरल माधव।)

मेरठ संस्कार : गाँधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती का आयोजन किया। बच्चों ने गाँधी जी तथा शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डाला। गोविन्द राधिका ने गीत प्रस्तुत किये। नीरज अम्बरीश गुप्ता ने शहीदों को नमन किया। सुमन अग्रवाल ने कविता और भजन प्रस्तुत किया। बच्चों को फल वितरण किये गये। संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। पर्यावरण गोष्ठी में सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सदस्यों द्वारा तीर्थ स्थलो का भ्रमण किया गया। शुक्रताल के भव्य रमणीक स्थल पर वृक्षारोपण तथा 5200 वर्ष पुराने ऐतिहासिक बरगद वृक्ष के नीचे वन विहार का आनन्द लिया गया। सांई कुष्ठाश्रम में खाद्य सामग्री वितरित की गई। जाग्रति विहार की गौशाला में गौ सेवा की गई। ए.वी. स्कूल में फल तथा स्टेशनरी का वितरण किया गया। समापन पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर परिचर्चा की गई। 105 स्वेटरों का वितरण 7 स्कूलों के बच्चों को किया गया। (सचिव सुमन अग्रवाल।)

मेरठ उत्कर्ष : डाक्टर्स एसोशियशन द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आई.एम.ए.हाल में किया गया। बेगमाबाद विद्यालय में 30 निर्धन बच्चों को स्वेटर बांटे गये। सप्ताह के अन्तर्गत भोजन, चारा, तुलसी पौध, फल व स्टेशनरी वितरण सम्पन्न किया गया। भजन संध्या से समापन हुआ।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

साहिबाबाद : शाखा द्वारा टेलेन्ट हंट परीक्षा 2015 सम्पन्न की गई। इसमें मेधावी तथा गरीब छात्रों को अध्ययन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। भारत को जानो प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें दोनों वर्गों की 25 टीमें उपस्थित रही। प्रान्तीय महिला सम्मान समारोह में नोयडा शाखा की प्रीति शर्मा को सम्मानित किया गया।

खुरजा : गुरु वन्दन कार्यक्रम जैविक पब्लिक स्कूल में छात्रों के साथ सम्पन्न हुआ। परिषद् के कन्या इण्टर कॉलेज में कुल 1800 छात्राओं ने भाग लिया। 29 अध्यापक, 20 छात्रों को सम्मानित किया गया। हिन्दी दिवस पर हिन्दी शिक्षक सम्मानित किये गये। जल संरक्षण तथा पर्यावरण पर पोस्टर लगाये गये। चित्रकला में 100 छात्राओं ने भाग लिया।

सिकन्द्राबाद : संस्कृति सप्ताह में गौशाला के लिए 3100 रुपये का सहयोग किया गया। कुष्ठाश्रम के लिए रुपये 7000/- की खाद्य सामग्री प्रदान की गई। चौधरी बाड़ा में सुन्दरकाण्ड पाठ हुआ। शिशु मंदिर में काव्य गोष्ठी हुई। 150 बच्चों को पाठ्य सामग्री बांटी गई। 50 तुलसी पौधों का वितरण हुआ।

उत्तराखण्ड पश्चिम

विवेकानन्द देहरादून : शाखा द्वारा गुरु तेग बहादुर का साहित्य बाजार में वितरित किया गया।

अवध प्रदेश

संस्कार लखनऊ : शाखा के द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें गायत्री परिवार का सहयोग रहा। 80 बच्चों का शिक्षा तथा कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न

हुआ। 4 सिलाई मशीन, 1 कम्प्यूटर की व्यवस्था सुनीता रस्तोगी द्वारा की गई। है। शाखा द्वारा चित्रकला, सुलेख, कविता पाठ प्रतियोगिता की गई।

काशी प्रदेश

आजमगढ़ : शाखा द्वारा मऊ स्थान पर नई शाखा स्थापित की गई। प्रान्तीय समूहगान में 9 बच्चों की टीम ओम प्रकाश एवं वेदान्ती वर्मा ने भाग लिया। शरद पूर्णिमा का कार्यक्रम सिंह वाटिका में सम्पन्न हुआ। श्रीमती शारदा सिंह पूर्व प्राचार्या मुख्य अतिथि रहीं। नगरपालिका अध्यक्ष इन्द्र जायसवाल ने उत्साह से भाग लिया। शरद पूर्णिाम के महत्व पर दीनानाथ श्रीवास्तव पद्माकर प्रसाद तथा डॉ. अशोक कुमार ने प्रकाश डाला। शाखा द्वारा वनस्पतियों का जीवन रक्षा में योगदान विषय पर गोष्ठी सम्पन्न हुई। संयोजक डॉ. मातवर मिश्र ने बताया कि मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है। इस प्रकार स्वास्थ्य से भी वंचित हो रहा है। स्वास्थ्य के लिए अजवाइन, हींग, तुलसी, अदरक, काली मिर्च, शहद, हल्दी, गुड़ आदि अनेक रोगों पर रामबाण होते हैं। पीपल, नीम के पत्ती, डॉ. माधुरी ने गिलोय, ऐलोवेरा की उपयोगिता बताई। अत: हमें वनस्पतियों के औषधीय उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। (घनश्याम दुबे।)

काशी-वाराणसी : गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम गणेश शिशु सदन में सम्पन्न हुआ। 11 अध्यापकों को सम्मानित किया गया। 38 बच्चों को कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया। पूर्व अध्यक्ष नन्द किशोर झंवर उपस्थित रहे। तुलसी पौधों का वितरण किया गया। जन चेतना रैली निकाली गई जिसमें स्वच्छ वाराणसी का संदेश दिया गया। 'आरक्षण गलत या आरक्षण का तरीका गलत' विषय पर गोष्ठी में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे।

शिवम् वाराणसी : संस्कृति सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर माँ त्वरिता देवी मंदिर भेलपुर में माँ का श्रृंगार एवं पूजन सम्पन्न हुआ। शरद पूर्णिमा के अवसर पर गरवा नृत्य का आयोजन हुआ। कैलाश मठ तथा गुजराती समाज के सहयोग से सम्पन्न हुआ। भारत को जानो में 5 स्कूलों के 200 बच्चों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। क्विज में सिल्वर स्कूल, माउंट लिट्र, सेन्ट्रल हिन्दू ब्यायज स्कूल, गोपी राधा इंटर कॉलेज तथा सेन्ट थामस स्कूलों ने भाग लिया। (सचिव - ब्रज गोपाल दास।)

मऊ : जिले में मऊ शाखा स्थापना के साथ प्रान्त के सभी जिलों में शाखाएँ स्थापित हो गई है। शाखा की अध्यक्षा श्रीमती शीला मिश्र, सचिव मधु राय, कोषाध्यक्ष अर्चना कपूर और महिला संयोजिका अल्का राय चुनी गई। स्थापना पर दिल्ली रिलायन्स इन्फ्रा के उपाध्यक्ष अनिल कालिया मुख्य अतिथि रहे।

नारी तेरे कितने रूप, कैसे तेरा गुणगान करूँ।

शब्दो से निकली, प्रकृति में छाई।
अलंकारों से सुसज्जित, छंदों में रमी है तू।।
गद्य की सरलता, पद्य की चंचलता।
इतिहास के पन्नों में, साहित्य बन कर बैठी है तू।।
तू नारी नहीं, अखंड है तू।
तू ज्योतिर्मय, मंगलमय है तू।।
गीता, पुराण, महाकाव्य की रचना है तू।
सभ्यता एवं संस्कृति का, आधार है तू।।
सुरों से सजी, स्वरों में बंधी।
सरगमों से भरी, रागों की रागिनी है तू।।
दिव्यता से परिपूर्ण, आशाओं की किरण है तू।
धारणा की अवधारणा, योग का वियोग है तू।।
फूलों की महक, सितारों की चमक।
इन्द्रधनुष के रंगों सी, सतरंगी है तू।।
नारी तेरे कितने रूप, कैसे तेरा गुणगान करूँ।
हाथ जोड़कर तुझको, मैं बारम्बार प्रणाम करूँ।।

-**पूनम अग्रवाल**, एटा शाखा (उ०प्र०)

हरियाणा पश्चिम

फतेहाबाद : भारत विकास परिषद् द्वारा माजरा रोड फतेहाबाद पर नवनिर्मित बाँगवा भवन का लोकार्पण श्री सुधान्शु जी महाराज एवं डॉ. कमल गुप्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ। श्री सुधान्शु जी ने कहा कि माता पिता का दर्जा भगवान के समान होता है। माता पिता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि वृद्धाश्रम हमारी संस्कृति नहीं है। वरन् यह वर्तमान मजबूरी है। उन्होंने संचालन हेतु 3 लाख रुपये अनुदान की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्रसेन जैन ने की। प्रचारक डॉ. सुरेन्द्र पाल ने परिषद् के कार्यों की सराहना की।

हिसार : लडवा ग्राम में स्थित गौशाला में ऐसी गाये रखी गई है जो लाबारिस, बीमार और दूध देने के अयोग्य है। इनका इलाज किया गया और गोबर, गोमूत्र से वर्ष भर में 3.5 करोड़ का मुनाफा प्राप्त किया।

हरियाणा उत्तर

अभिमन्यु करनाल : राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक के जोन-2 के प्रवास के परिप्रेक्ष्य में करनाल क्लब में बैठक

सम्पन्न हुई। 100 सदस्यों ने महामंत्री अजय दत्ता जी एवं श्री पारीक जी से संगठन की विस्तृत चर्चा की। विवेकानन्द स्कूल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। स्मार्ट सिटी योजना में परिषद् की भागीदारी योजना बैठक में रही। महिला सत्संग बैठक का आयोजन रीटा आहूजा के संयोजन में हुआ। नवरात्रि में स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया गया। डेंगू के लिए जागरूकता अभियान का संयोजन ललित बजाज ने किया। महिलाओं द्वारा बच्चों को शिक्षित करने तथा बिजली बचाओं अभियान का संयोजन साक्षी आर्यन ने किया। हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। महिलाओं ने सामूहिक करवा चौथ मनाया तथा सुहाग के गीत गाये।

कर्ण-करनाल : निर्धन विवाह के अन्तर्गत ज्योति और सुमित विवाह बन्धन में बंधे। तुलसी विवाह के अवसर पर प्रति

वर्ष यह आयोजन कराया जाता है। श्रीमती संतोष अत्रेजा समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में नागरिकों ने प्रशंसा की।

घरौंडा : वाद विवाद प्रतियोगिता में 14 स्कूलों ने भाग लिया। विषय था सोशल मीडियां आदर्श हाई स्कूल प्रथम, स्वर्ण वाटिका स्कूल द्वितीय तथा राइजिना सन स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। प्रकल्प प्रमुख मीनू गुप्ता। श्रीमती आदर्श सेठी डायरेक्टर ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया। शाखा ने पटेल जयन्ती का आयोजन किया। अध्यक्ष विक्रान्त राणा पार्षद, सुभाष गुप्ता तथा विधायक हरविन्दर कल्याण ने भागीदारी की। नसीब विहार कॉलोनी में नगरपालिका तथा विधायक हरविन्दर कल्याणा के साथ स्वच्छ घरौंडा अभियान चलाया गया। महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिन पर कॉलोनी के निवासी सुरेन्द्र शर्मा को सम्मानित किया गया। श्री शर्मा प्रतिदिन एक घण्टा कॉलोनी की सफाई करते हैं। इन्हें नगरपालिका का सफाई अम्बेसडर माना गया है।

अम्बाला सदर : गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। 13 टीमों ने भाग लिया। पूजा और निधि कौशिक विजेता रही। प्राचार्य बहादुर चन्द्र ने तेग बहादुर के बलिदान से शिक्षा लेने का आह्वान किया। गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस अम्बाला पब्लिक स्कूल में किया गया। 8 टीमों ने भाग लिया। कुमारी सानिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।(सचिव राजीव शर्मा।

कैथल : शाखा द्वारा गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर सामाजिक संस्थाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रान्तीय संयोजक डॉ. राजेन्द्र ठकराल ने बताया कि इस्लाम और क्रिस्चियन आतंक के बल पर संसार को अशान्त कर रहा है। धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर का बलिदान याद किया गया। मुख्य ग्रंथी बाबा साहिब सिंह ने अरदास की।

हरियाणा दक्षिण

नारनौल : बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत व्यवसायी हरगोविन्द गर्ग ने राजकीय कन्या विद्यालय में जल कुटीर का निर्माण कराया। इसका लोकार्पण कक्षा 12 की मेधावी छात्रा पूजा सैनी के द्वारा किया गया। बालिकाओं को स्कूल में मूलभूत संविधाएँ प्रदान करने की पहल गर्ग परिवार ने की है। अध्यक्ष हितेन्द्र बोहरा के साथ सभी सदस्यों ने भरपूर सहयोग दिया।

जम्मू-कश्मीर

शिवालीक-छन्नी हिम्मत : शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अन्तर्गत मेंहदी, रंगोली तथा माता की चौकी का आयोजन सम्पन्न हुआ। महिला सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया।

महाराष्ट्र-1

मुम्बई सेन्ट्रल : दीपावली कार्यक्रम का आयोजन स्पार्क नाइट शेल्टर में सम्पन्न हुआ। प्रवीन अगारा की अध्यक्षता में खाना, मिठाई, फलों के साथ मासूमों के चेहरे पर मुस्कान की फूलझरियाँ और हंसी के पटाखे मन मोह रहे थे। चित्रकला एवं प्रतिभा प्रदर्शन में बच्चों का उत्साह देखने लायक था। संयोजक चन्द्र कुमार भसाली तथा महेन्द्र शाह ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. जीवराव शाह रहे।

विले पार्ले : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का विशाल आयोजन सम्पन्न हुआ। उत्सर्कष मंडप विले पार्ले में रक्तदान शिविर में 225 बोतल रक्त संग्रह किया गया।

पश्चिम बंगाल

कोलकता : ताम्बा ग्राम में 300 फलदायी वृक्षों का वितरण किया गया। 30 सेट धार्मिक पुस्तकों का वितरण ग्रामवासियों को किया गया। ग्राम में डीप बोर वेल पम्प लगाया गया। एक टायलेट, वाथरूम, कम्प्यूटर सेन्टर, कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई।

हिमाचल प्रदेश पश्चिम

पालमपुर : बाल दिवस पर मातृछाया छात्रावास में बच्चों को फल वितरण किये गये। छात्रावास की 21 बालिकाओं को रख रखाव एवं भोजन व्यवस्था हेतु सहयोग प्रदान किया गया।

पपरौला बैजनाथ : हिमालयन पब्लिक स्कूल में समूहगान प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। माउंट कारमेल स्कूल प्रथम रहा। भारत को जानो में भारती विद्यापीठ तथा विजन पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक नि:शक्त व्यक्ति प्रीतम चन्द्र को कान की मशीन भेंट की गई। व्यवस्था में राकेश पाल तथा प्राचार्या विजय लक्ष्मी ने सहयोग किया।

दिल्ली उत्तर

कमला नगर : अग्रसेन भवन में करवा चौथ का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। वैशाली राज टी.वी.कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका, करवा चौथ पर गीत तथा मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। श्रीमती रश्मि अग्रवाल, अलका, आशा, निर्मला चोपड़ा, वीना आर्य द्वारा परिषद् के छाया चित्रों पर तैयार झलकियाँ प्रस्तुत की गई। अरविन्द गर्ग मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की सराहना की। प्रश्नोत्तर कार्यक्रम पर जैन कर्नर द्वारा पुरस्कार दिये गये। (सचिव शंकर लाल।)

किशनगंज : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन के अन्तर्गत 10 प्रमुख शिक्षकों और 21 मेधावी छात्रों को महापौर डॉ. नीलम गोयल ने सम्मानित किया। अन्य कार्यक्रम में दिल्ली क्षेत्र के संरक्षक पूर्व महापौर महेश चन्द्र शर्मा ने हिन्दी के प्रति उनकी सेवाओं के लिए रोटरी हिन्दी सेवा शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। शेटेरियन सुशील गुप्ता, डॉ. हर्ष वर्धन आर्य, डॉ. वी. के. ने फिल्मी जगत की डॉ. लवलीन ठंडानी को भी शिखर सम्मान प्रदान किया। स्मरण रहे कि महेश चन्द्र शर्मा ने पब्लिक स्कूलों तथा स्नातक शिक्षा में हिन्दी की उपेक्षा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को ज्ञापन दिया था।

शिवाजी रोहिणी : गुरु वन्दन कार्यक्रम में प्रतिभाशाली छात्रों को डिक्शनरी तथा उपहार देकर सम्मानित किया गया। सेन्ट सन्जिल स्कूल में अध्यक्ष दिनेश मक्कड़ ए.सी.शर्मा ने संस्कार पत्रक वितरित किये। सनातन धर्म मंदिर में नवरात्रि पर प्रसाद वितरण किया।

असम

करीमगंज : नयावारी गाँव में दुर्गा पूजा के अवसर पर 141 साड़ियों का वितरण किया गया। गरदाराशी तथा पेरुआ गाँवों में भी कपड़े तथा साड़ियाँ बांटी गई। सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

उत्तर बिहार

चम्पारण जिले का अमवा ग्राम : ग्राम विकास के लिए अमवा ग्राम का निरीक्षण किया गया। अध्यक्ष राजेश्वर प्रसाद सिंह, जगत नारायण कि निर्देशन में संयुक्त महामंत्री अशोक जाधव एवं राष्ट्रीय मंत्री नारायण पुष्करना ने विमर्श किया। ग्राम में वृक्षारोपण तथा स्वास्थ्य केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विधान परिषद् सदस्य राजेश कुमार के साथ डॉ. पुष्करणा, अशोक जाधव, राजेश्वर सिंह, जगत नारायण आदि उपस्थित रहे।

झारखण्ड

बोकारो उत्तर : शाखा द्वारा भारत को जानो में क्रीसेन्ट पब्लिक स्कूल तथा अयप्पा पब्लिक स्कूल ने जीत दर्ज की। महाप्रबन्धक सेल बोकारो स्टील श्री विनय कुमार सिंह ने बच्चों में ज्ञानवर्धन के लिए परिषद् के इस प्रकल्प की सराहना की।

JAMMU-KASHMIR

State celebrated GTBB Divas on 26th November 2015 at Govt. College for women, Parade Ground to celebrate Guru TegBahadurjiBalidan Divas, organized an impressive seminar in which students from various schools and colleges participated. Mrs. RenuGoswami Principal of GWC parade Ground Jammu was the Chief Guest and Sardar S.S. Bijraj was the Guest of Honour. Thestudents were given awards and certificates of appreciation first, second, third and consolation award were given to: 1) Muskan of Vimal Public School, Bakshis Nagar, 2) SakshiDhar of VidyaPeeth Pubic School. 3) KritikaSarangal of Cooperative school, Dilli.

PUNJAB NORTH

Samarpan Jalandhar : On18th October, Shakhajointly with BVP Urban Estate Jalandhar arranged a Mass Marriage of 11 needy girls at GeetaMandir Urban Estate phase-I, President of MandirShri Rajesh Agarwal and Secretary ShriA.L.Dhawan, very well, arranged the breakfast and lunch for more than 1000 persons. PadamshreePargat Singh M.L.A. was the chief guest. Uniforms worth Rs. 65000/- and stationary items were given to 119 students of Agla Kadam school run by Bharat VikasParishad Charitable trust on 24 Oct.Branch organized two programme of GVCA first at AshaVidyaMandir, where seven teachers and seven students were honored. The

second one was arranged in Govt. Sr. Sec. School Gandhi Camp, where state convener Shri G.D. Kundra inspired the students to respect their teachers and devote much of their time to studies.

Kitchlu Ludhiana : Branch organized an inter-school declamation contest on GURU TEG BAHADUR BALIDAAN DIWAS in Hindi and Punjabi (GTBBD–2015) among the students from 8 schools. The topics for competition were: a. *Guru keeSamajkodain,* b. *Hind di Chaadar* and c. *Guru JikaEtihasicbalidaan*(The historic sacrifice of Guru Ji). Ms.Rajani Sharma of Shaiwal Sr. Sec. School, Rishi Nagar scored First Position in Hindi and Guru Gobind Singh Public School, Daad, Pakhowal Road scored First Position in Punjabi. Er. Charanjeet Singh, Chief Engineer (P & M), PSPTL, Ludhiana was the Chief Guest of the function.

PUNJAB EAST

Chandigarh West-II : Branch arranged Inter-School song competition on 13th October, wherein four schools participated. Topper team sent by the branch was rated second at state level.Ladies wing celebrated Karwa-Chauth on 30-10-2015 and large number of ladies participated. The event was grand success. Branch organized Parivar Milan cum Picnic on 15th November, wherein 55 members, their families & friends participated with games, songs kits etc.

West Chandigarh : West Chandigarh organized Mass Marriage programme on 17th October, 2015 at Stepping Stones School, Sector 38, at Chandigarh. The selection committee selected five couples from the adjoining villages and colonies. After proper verification the marriage ceremony was performed in which large no. of members from all the three branches with their families or about 300 persons from the couple sides attended the function. Shri Ajay Dutta, National Secretary General was the chief guest of this function.

PUNJAB SOUTH

Bhiwandi : Organized a blood donation camp whering 42 unit of Blood was donated, to Red Cross society Firozpur. Sri Sewa Singh Chawla was the Chief Guest. 100 trees were also planted at Police Public School and Govt. Middle School.

DELHI NORTH

VARDAN SHAKHA : Organized a Diwali Mela – 'Tarang' for the primary wing students of SarvodayaVidyalaya, Sec-6, Rohini, on the 31st of Oct, 2015. The mela was inaugurated by the Sanrakshak Delhi North Sh. Raj Kumar Jain ji& President, Delhi North, Sh. SanjeevMiglaniji.

West Patel Nagar : Branch organized 3rd RANGOLI COMPETITION in Rock garden, West Patel Nagar, New Delhi. About 500 participants took part in the competition. Ist, 2nd, 3rd prizes were given to top three Rangolies and 10 consolation prizes were given to next ten best Rangolies.SmtArchana Gupta, Chairman Karol Bagh Zone,MCD and our Advisor ShriSubhashManocha were present in the programme and distributed prizes to the winners

DELHI SOUTH

Janakpuri Main : Branch celebrated Diwali Mangal Milan on 6th November 2015 at ShriSanatanDharmMandir, C-3 Bus Stop, JanakPuri, New Delhi. After Deep Prajwalan&VandeMataram. The Main Speaker of the Jayanti was Sh. B.L.Parasher- Chairman ShriSanatanDharmMandir C-3 JanakPuri Delhi & advisor B.V.P.Delhi (South),

C-2, Janakpuri : Vijay Dashmi was celebrated with great enthusiasm by the member & they participated in the Dusschra function in association with JanakpuriDharmik&SamajikMahasangh rendering valuable contribution in the arrangements.SanskritiSaptah was organized from 16.10.2015 to 22.10.2015 in GeetaMandir with the Sunderkant Path, Mata Ki Chowki, Kirtan by Mahila Members, Cultural Programme by School Children, Lecture by an expert on health of Sr. Citizens, Yoga Classes under the supervision of a Yoga Expert, Seminar on Naturopathy under an Expert Naturopath. Celebrated Annakut and Deepawali followed by Bhandara, Prasad was distributed to 600 devotees, Nagar Kirtan was organized 160 leaders participated. O.P. Arora gave a talk on Raslla. In a medical checkup camp 67 person were checked for B.P. Sugar Heart with the help of RLKL hospital of Viklang Kendra Delhi. Silver Jublee function was organized at I.P. College. Viklang Children gave cultural performances. Dr. Ravi Chaudhary director and S.S.Jain Chairman Graced to Occasion.

B-Block Janakpuri : Organized Nar Sewa Narayan Sewa. Programme and distributed 125 blankets. 210 Sweter were menlally retarded children. Mata Heeradevi school malileelawanti school, Andhra school and mission school, tricycle repair and medicine to epilepsy patients and blind children were given. On the word disabled day a sport event of 1500 children was organized at Bharti College. ShriDharam Pal of MDH and 75 Social activist witnessed the event. DaanPethi and Katha Kalhava is the regular project free medicine are distributed to poor patients. Dental cams organized by state mobile van.

DELHI EAST

A talk was organized by Delhi State East on 'SANSKAR' on 24th October evening at Agrasen Society of I.P. Extn., The Chief Speaker Sh. D. M. Sapolia, former Chief Secretary of Delhi Govt. discussed at length his position in hostile conditions and where his Sanskar help him a lot to overcome the situations. Chief Guest, Dr. VinayAgarwal also cited his life examples and strength and success he got through his Sanskars which are primarily given to the children by their elders and Grandparents. National President, Sh. Sita Ram Pareek and National Secretary General, Sh. Ajay Dutta endorsed the views of our culture which is based on Sanskar&Sewa.Jagatpuri and NetajiShuashMarg Branch of Delhi (East) celebrated Diwali Mela at the community centre of MausamVihar. The National Working President graced the organization along with the other senior officers of BVP in Delhi East.

KASHI PRADESH

Azamgarh: Branch Celebrated SharadPurnimaMahotsav on 26-10-2015 at SinghasiniVatika ,Harbanspur, Azamgarh to restore our Sanskar, Indian culture, Traditions . Large numbers of people were present in this programme. B.V.P. members & children presented many items like cultural dances, songs, Dandia,BhartiyaSanskriti presentations etc. which was praised by all. Dr. Sharda Singh ex Principal of Sri Agrasen Post Graduate Mahila College AZAMGARH was the Chief Guest.

KOSHI BIHAR

Maharishi Arbind : Branch distributed tripal, clothes and food packets among four 'pidit family' of Bhelwa village. GurudevMahendra Narayan Pd, PramodBhagat, Gori Shankar chaurasia were present.

ASSAM

Patherkandi: Branch organiseBijoyaSammelon (Dasera) amongst the members, 180 students, teachers & guardians of ATMA DARSHAN Project at Kanai Lal Jew Ashram, Kanaibazar on 8th November, 2015. Members of Karimganj Branch also witnessed the programme. The students of ATMA DARSHAN Project delivered speech on the occasion in Sanskrit and they also chanted BhagawatGeeta and Upanishad. Smt. SuparnaDey,Pracharika, RastriyaSwayamSevakSangha (MahilaShakha) delivered her valuable speech on Sanskar. Cultural Progrmme was also arranged by the students of ATMA DARSHAN Project

Karimganj : On 16th November 2015, Shri P.K. Jain, National Vice President and ShriSwadeshRanjanGoswami, Zonal Secretary andShriNirupam Nandi Organizing Secretary visited some of the Permanent Projects and other projects of the Karimganj Branch. A meeting was convened at the branch office in the evening.

Branch celebrated Bijoya (Dashera) Sammelani on 1st November 2015 at Baby Land English High School Auditorium. Greetings were exchanged among the members. Members and their children presented a colorful cultural function.Branch observed "Guru TegBahadurShahidiDiwas" in a befitting manner on 24th November 2015 at SaraswatiVidyaniketan, Katakhal. Ramayan, Mahabharat, Bhagwat Gita, Vedas, Upanishads and other books on life and works of various great people of Bharat was handed over to the school library. Branch organised a medical camp for jail inmates. 94 patients were treated. Jail authorities assisted the camp. (A.K.Brahma)

KARNATAKA SOUTH

Vidyaranya-Bangalore : Navarathri Dolls Display Competition 2015. Branch visited as many as 17 households on 17th and 19th October 2015 in connection with VidyaranyaShakha,Bangalore. A team of judges comprising Smt. SreeveniSubbaRao, Smt.AkhilaJitu and ShriB.V.Lakshminarayana

(assisted by ShriK.V.Rao,President and ShriG.KrishnaPrasad,Prant Publicity Convener winners were:Smt.NirmalaBalakrishnan, Ist Prize.Smt. SandhyaJayaraman, IInd Prize,Dr.InduRanganath, IIIrd Prize- Jt,Smt. Nagamai Krishnamurthy IIIrd Prize-Jt. Smt. SheelaAbhayakumar,Consolation Prize.

In a glittering function on 2nd November 2015 presided over by Prant President ShriN.Shamasundar, prizes were distributed to winners from respective shakhas.Navratri Dolls Display a glittering function held at Bangalore on 2-11-2015, prizes were distributed to households who had excelled in the competition based on report of Judges in respective Shakhas.

Bharadwaja, Mysuru : Branch conducted the Bombe Jodanespardhe at Mysuru. This is traditional festival of Mysuru. About 40 participants attended this competition. The judges took three days to visit all the houses. November 1st they have distributed the prizes to the winners in four categories. Extra Large, Large, Medium and Small.

KERALA

Paschim Cochin : Onam was celebrated with great enthusiasm. Mahabali was welcomed with flowers,who gave a message for prosperity to Kerala. It was said that Bhaichara should be spread among all. There was a quiz contest on Onam arranged by Sri SanjeevPai. On the eve of Sisu Divas (14.11.15) debate competition was held by the Sakha at Sri Kosateswar Temple premises. The debate competition was held among the primary level,Senior level (VI to VIII) and junior level (III to IV). Total 10 schools and 36 nos of participants participated. Position holders were:1stSugyanSingh Barik KendriyaVidyalaya, 2nd Krishna Agarwal KedriyaVidyalaya, 1st DarryalSamnelDavi (VIII) Western Odisha, 2nd Krishan Agarwal (VIII).

GUJARAT NORTH

Organized GVCA in 14 branches of the state. 196 schools participated. 2473 teacher and 83485 students were present.250 teachers and 816 students were honoured in the functions. – Convenor (Rajesh K. Thakkar)

आरथराइटिस के लिए कुछ अनुभूत प्रयोग

सूजन और घुटनों के दर्द तथा यूरिक एसिड बढ़ जाने पर सब्जियों में सहजन की सब्जी का प्रयोग गुणकारी है। 5-10 लहसुन खाने के साथ लें। लहसुन में Alexin तत्व होता है। इसे पीसकर खाने से कोलेस्ट्रोल कम होता है। मेथी-रात में भिगोकर रखे। पानी अलग करके गर्म कर लें। शहद और नीबू का रस मिलाकर प्रयोग करें। नीबू आंवजा-आर्थराइटिस में नीबू आंवला का रस, लहसुन, हल्दी, मेथी, सोंठ और एलोबेरा का सेवन लाभप्रद होता है। ऐलोबेरा का रस डायबिटीज और यूरिक एसिड को रोकता है।

-योग संदेश

प्रेरक उद्‌बोधन माननीय जितेन्द्र वीर गुप्त, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

- वर्तमान अच्छा है तो भविष्य भी अच्छा होगा।
- भगवान परिश्रम में है कहीं ऊपर नहीं।
- जो चल पड़ा है, रूका नहीं, अवश्य पहुँचेगा।
- समाज को वहीं बदल सकता है जो अपने आप को बदलने के लिए तैयार है।
- अच्छाई की चर्चा करो, अच्छाई बढ़ेगी।
- हम भूतकाल में जीते हैं या भविष्य में। वर्तमान में जीना सीखें।
- जिसका जन्म हुआ है, उसे बड़ा होने का अधिकार है।
- कोई चले तो साथ चलेंगे, साथ न चले हो अकेले चलेंगे, विरोध हो तो विरोध के बावजूद चलेंगे, चलना हमारा धर्म है।

अनुकरणीय

1971 का भारत पाक युद्ध। अम्बाला शहर दुश्मनों के निशाने पर था। सैनिक आवा जाही जोरो पर थी। जंग के समाचार जानने की उत्सुकता हर किसी में थी। घायल सैनिकों की खबरे आने लगी। रक्तदान शिविर शुरू हो गये। रक्त के अभाव से कोई सैनिक शहीद न हो। राजेन्द्र गर्ग की वायुसेना में जाने की इच्छा पूरी नहीं हो सकी थी। परन्तु कॉलेज में किये रक्तदान ने उन्हें जीवन का लक्ष्य प्रदान कर दिया। रक्तदान से समाज सेवा का लक्ष्य। फिर क्या था प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान करने लगे। लोगों को प्रेरित करने लगे। रक्त दान की भ्रान्तियाँ दूर करने लगे। लोग जुड़ते गये। चला था अकेले ही-लोग जुड़ते नये करवां बनता गया। 44 वष्र में 169 बार रक्तदान कर हरियाणा के प्रथम रक्त दाता हैं। विवाह से पूर्व ही सुचेता को अपना लक्ष्य बता दिया था। पत्नी ने भी साथ दिया। परिणाम-पत्नी सुचेता के पुत्र, पुत्रवधू और पुत्री रक्तदान के अभियान में शामिल हैं। कहते हैं जीवन में एक संकल्प पूरा कर पाये तो जीवन सफल।

अपनी वेबसाइट बनाने वाला देश का दूसरा गाँव

छत्तीसगढ़ के सूरजपूर जिले का सिलफिली गाँव ने अपनी वेबसाइट तथा नि:शुल्क वाई फाई सेवा शुरू करके इतिहास रच दिया। 2229 जनसंख्या के गाँव को शैचालय मुक्त घोषित किया गया है। गाँव की वेबसाइट पर ग्राम विकास योजनाओं की जानकारी उपलब्ध है। ग्राम के सरपंच संजय सिंह नेटी की ईमानदारी और पारदर्शिता का जवाब नहीं। काश! यह सूचना सरपंचों को प्रेरणा दे सकती।

-युग प्रवाह

NATIONAL EVENTS/PROGRAMMES OF THE PARISHAD TO BE HELD DURING 2015-16

S.N.	Events/Programme	Place	Date & Month
1.	Bharat Ko Jano	Agra (Braj Pradesh)	2-3, January, 2016
2.	Mahila Karyakarta Workshop South (Zone - XV to XVII	Chennai (Tamilnadu)	23-24 January, 2016
3.	National Govenring Board Meeting	Faridabad (Haryana South)	27-28,February, 2016
4.	National Praudh Sadhana Shivir	Chitorgarh (Rajasthan South)	March, 2016

- **Ajay Dutta**, National Secretary General

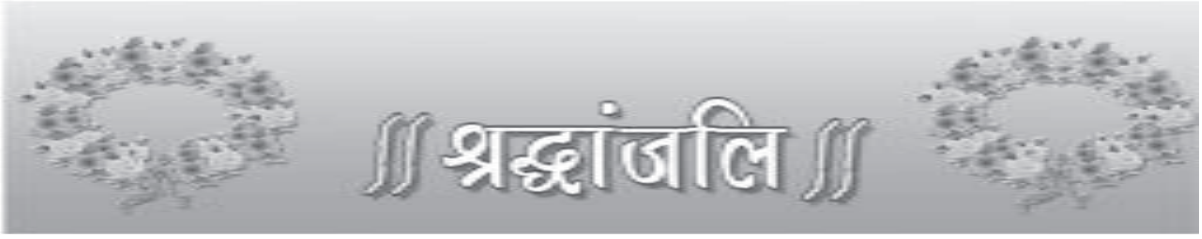

भारतीय संस्कृति के पुरोधा हिन्दू हृदय सम्राट मा० अशोक सिंघल जी 17 नवम्बर, 2015 भौतिक जगत को छोड़कर निज धाम को प्रस्थान कर गये। 1982 में उन्हें विश्व हिन्दू परिषद् का दायित्व मिला। हिन्दू समाज में गौरव का भाव निर्माण कर उन्होंने राम जन्म भूमि आन्दोलन का नेतृत्व कर सम्पूर्ण समाज को आन्दोलन से एकाकार कर दिया। उनकी ओजस्वी वाणी, सहज ही जन मानस में उत्साह का संचार कर देती थी। भारत विकास परिषद् परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

मकर संक्रान्ति

(सामाजिक और सांस्कृतिक पर्व)

सूर्य का मकर राशि में संक्रमण या प्रवेश करना ही 'मकर संक्रान्ति' कहलाता है। इसी अवसर पर इस पर्व को सर्वत्र हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता है। पिछले वर्षों से यह संक्रमण 14 जनवरी के दिन होता है। संयोग से पिछले साल संक्रमण 14 जनवरी से बजाय 15 जनवरी को हुआ था। मकर संक्रान्ति के दिन सूर्य की गति दक्षिण दिशा से उत्तर दिशा की ओर हो जाती है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण होने से दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती है। शास्त्रों में उत्तरायण की अवधि को देवताओं का दिन और दक्षिणायन को देवाताओं की रत्रि कहा जाता है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता हैं कि मकर संक्रान्ति पर्व देवताओं का प्रभात काल है। इसके परिणामस्वरूप समस्त चराचर जगत में व समस्त वातावरण में नवीन उत्साह, उमंग व जीवनी शक्ति का संचार होने लगता है। इस प्रकार से भारतीय संस्कृति में यह आध्यात्मिकता का प्रतिरूप है। वस्तुत: मकर संक्रान्ति पर्व समग्र मानव जाति के लिए मंगलमय होने के साथ-साथ सार्थक जीवन का भी आधार स्तम्भ है। इस पर्व में समष्टि के साथ व्यष्टि की उदात भावना निहित होने के कारण मानव का मानसिक व आध्यात्मिक विकास समाविष्ट है।

शास्त्रों के अनुसार इस दिन स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध तथा अनुष्ठान आदि का अत्यधिक महत्व है। इसके पीछे कदाचित् यही भावना रही होगी कि इससे मानव जीवन को एक सुनिश्चित दिशा व गति प्राप्त हो। साथ ही जीवन की शुष्कता व नीरसता के स्थान पर नव प्राण व नव उमंग द्वारा जीवन सरस व सुन्दर बन सके। वस्तुत: सामूहिक भावनाओं से सबको साथ लेकर किए गए कल्याणकारी सत्कर्म ही पर्व के नाम से जाने जाते हैं।

चूँकि मकर संक्रान्ति के अवसर पर ठण्ड रहती है अत: इस उपलक्ष में घृत और कम्बल के दान का विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार इसका दान करने वाला सम्पूर्ण भोगों का भोगकर मोक्ष को प्राप्त होता है। जैसे कि कहा भी गया है -

माघे मासि महादेव यो दद्यात् घृतकम्बलम्।
स भुंक्त्वा सकलान् भोगान् अन्ते मोक्षं च विन्दति।।

हमारे मनीषी पूर्वजों ने समस्त समाज में एकजुटता व एकसूत्रता रखने के लिए पर्वों पर व्रत व दान पुण्य को महत्व दिया जिससे सामूहिक आमोद-प्रमोद के वतावरण के साथ-साथ परस्पर विचारों व कर्मा का सामंजस्य भी स्थापित किया जा सके। उत्सव का वास्तविक पर्याय भी यही प्रतीत होता है।

संक्रान्ति पर्व के दिन गंगा तट पर गंगा सागर पर स्नान व दान को विशिष्ट महिमा प्रदान की जाती है। राजस्थान व उत्तर प्रदेश में इस दिन खिचड़ी तथा तिल का दान देने का महत्व दर्शाया गया है। दूसरी ओर महाराष्ट्र में नव विवाहितों द्वारा कपास, तेल व नमक आदि वस्तुएं दान देने की परम्परा है। बंगाल में तिल दान देने का प्रचलन है। दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहते हैं। असम में संक्रान्ति के दिन 'बिहू' का त्यौहार मनाया जाता है।

राजस्थान में कई जातियों की परम्परा के अनुसार सौभाग्यवती स्त्रियाँ तिल के लड्डू, फीणी अथवा कोई अन्य मिठाई आदि पर रुपसा रखकर बायने के रूप में अपने घर के बड़े बुजुर्गों को सम्मान रूप से देती है। साथ ही प्राय: किसी वस्तु का तेरह की संख्या (तेरूण्डा) में संकल्प करके दान किया जाता है।

इस प्रकार देश के विभिन्न भागों में मकर संक्रान्ति पर्व पर विविध परम्पराएँ प्रचलित है। इन पर्वों के आयोजन के पीछे मूल कारण तत्कालीन कृषि की उपज व ऋतु की परिवर्तनशीलता है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है जिस ऋतु में जिस प्रकार की कृषि की उपज होती है, उसी के अनुसार दान-पुण्य आदि की परम्पराएं प्रचलित हुई। वस्तुत: ये परम्पराएं जीवन को अनुशासित कराने के साथ समाज को सुदृढ़ता व नवीन आधार करने के कारण अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यही नहीं, ऋतु परिवर्तन के प्रभाव से शरीर और भावनाओं के लिए अनुकूल यह पर्व सर्वसाधारण के लिए सर्वथा प्रासंगिक व उपादेय है।

मकर संक्रान्ति पर्व देश के धार्मिक सम्प्रदायों, सांस्कृतिक ऑर सामाजिक विधानों की अनेकता में एकता के प्रतीक है, जिनमें भाषा, परिधान और आचार व्यवहार में निहित अनेकता के बावजूद सर्वत्र समन्वय व एकता की ही झलक दिखाई देती है। सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़तर बनाने में इन पर्वों का अपूर्व योगदान है। सचमुच मकर संक्रान्ति पर्व भारतीय एकात्मता व अखण्डता का दिव्य प्रतीक है। जिनका भलीभाँति अनुशीलन करके हम हमारे समाज की लुप्त होती परम्पराओं का सामाजिक, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पुनरूत्थान कर सकेंगे।

इति शुभम्

-**डॉ. (श्रीमती) बसन्ती हर्ष**, बीकानेर, शोध अधिकारी